CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 294 ता. 03 मई 2021, सोमवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

बंगाल में खेला हो गया

दो मई दीदी आई

-बंगाल में दीदी, असम में भाजपा, केरल में एलडीएफ और तमिलनाडु में डीएमके बनाएगी सरकार

-ममता बनर्जी ने कहा- नंदीग्राम का फैसला स्वीकार

कोलकाता/नई दिल्ली/गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/ ।

प. बंगाल में खेला हो गया है। रविवार को हुए मतगणना में बंगाल की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस नारे को नाकार दिया जिसमें उन्होंने बार-बार कहा था कि 2 मई को दीदी गई। बंगाल से ममता दीदी गई नहीं बल्कि बड़े आंकड़ों के साथ फिर से सत्ता में आई है। चुनाव परिणामों के रूझानों ने यह दर्शा दिया है कि बंगाल में टीएमसी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। हालांकि दीदी खुद नंदीग्राम से चुनाव हार गई हैं। पांच राज्यों प. बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुड्चेरी में हुए विधानसभा चुनाव की मतगणना रविवार को हुई। देर शाम तक की स्थिति के अनुसार तीन राज्य बंगाल, केरल और असम में बदलाव नहीं दिख रहा है। यानी बंगाल में तृणमूल, केरल में एलडीएफ और असम में भाजपा ही सरकार बनाती दिख रही है, जो पहले से थी। तमिलनाडु में जरूर बदलाव होता दिख रहा है। यहां डीएमके सरकार बनाने के करीब है। वहीं पुडुचेरी में पेंच फंसा हुआ है।

खेला तो नंदीग्राम में होबे

उधर, बंगाल की नंदीग्राम सीट पर सस्पेंस बना हुआ है। पहले एक न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबर आई कि ममता इस सीट पर कभी अपने भरोसेमंद रहे शुभेंदु अधिकारी से महज 1200 वोटों से जीत गईं। हालांकि, थोड़ी ही देर बाद भाजपा की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया कि ममता जीती नहीं, बल्कि 1,622 वोटों से हार गई हैं। उधर, चुनाव आयोग की वेबसाइट के मुताबिक, ममता इस सीट से अभी शुभेंदु से 9,862 वोटों से पीछे हैं। शुभेंदु को 62,677 और ममता को 52,815 वोट मिले हैं। बंगाल में पूरे चुनाव में सबसे ज्यादा चर्चा इसी सीट की रही। तृणमूल छोड़कर भाजपा में आए शुभेंदु अधिकारी ने कहा था कि वे 50 हजार वोटों से जीतेंगे और अगर हार गए तो राजनीति छोड़ देंगे।

क्या ममता ने भी हार कबूल की?

ममता के बयान से जाहिर हो रहा है कि नंदीग्राम में उनकी हार हुई है। कोलकता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ममता ने कहा कि नंदीग्राम के बारे में फिक्र मत करिए। मैंने नंदीग्राम के लिए संघर्ष किया। नंदीग्राम के लोग जो भी तय करते हैं, मैं उसे स्वीकार करती हूं। हमने 221 से ज्यादा सीटें जीती हैं, भाजपा चुनाव हार गई है।

खेला के बाद अब कोविड से जंग

पश्चिम बंगाल में चुनावी नतीजे आने के बाद रविवार शाम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान वे बिना व्हीलचेयर के नजर आईं। उन्हें 10 मार्च को चुनाव प्रचार के दौरान चोट लग गई थी। इसके बाद 53 दिन से ममता प्लास्टर में ही प्रचार कर रही थीं। अब उन्हें ठीक देखकर भाजपा का कहना है कि यह चोट सिर्फ एक नाटक था। इस बीच कोलकाता के आरामबाग में भाजपा के दफ्तर में आग लगा दी गई। पार्टी ने इसका आरोप टीएमसी के कार्यकर्ताओं पर लगाया है।

221 सीटों का लक्ष्य तय किया था

प्रेस कॉन्फ्रेंस में ममता ने कहा कि मुझे पहले से ही डबल सेंचुरी की उम्मीद थी। मैंने 221 सीटों का लक्ष्य तय किया था। ये जीत बंगाल के लोगों को बचाने की जीत है। ये बंगाल के लोगों की जीत है। खेला होबे और जय बांग्ला, दोनों ने बहुत काम किया है। अब हमें कोविड के साथ लडना है और उससे जीतना है। हम महामारी के खिलाफ काम करेंगे। इस जीत के बाद हम कोई जश्न नहीं करेंगे और हमारा छोटा सा शपथ ग्रहण समारोह होगा। हम सारी तकलीफ को संभालेंगे। हम जनता के लिए ही काम करेंगे। अमित शाह हर बार कह रहे थे कि बंगाल में 200 पार करेंगे। मैं कह रही थी कि हम 200 के पार जाएंगे। बंगाल में डबल इंजन नहीं, बल्कि डबल सेंचुरी की सरकार चलेगी।

असम-केरल में सत्ताधारी पार्टियों की वापसी

कोरोना के रिकॉर्ड मामलों के बीच हुए असम विधानसभा चुनाव के बाद रविवार को चुनाव नतीजे आने शुरू हो गए हैं। शुरुआती रुझानों में असम में भाजपा गठबंधन को बहुमत मिलता नजर आ रहा है। वह 75 सीटों पर आगे है। वहीं, कांग्रेस गठबंधन 50 सीटों पर आगे चल रहा है। एक सीट पर अन्य बढ़त बनाए हुए हैं। अगर यह रुझान नतीजों में तब्दील होते हैं, तो राज्य में भाजपा लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी कर लेगी।

उधर, केरल में सत्ताधारी लेफ्ट को आसानी से बहुमत मिलता दिख रहा है। शुरुआती रुझानों में एलडीसी को 94, यूडीएफ को 39 सीटें मिलती दिख रही हैं। केरल में 140 सीटों पर करीब 74 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2016 के विधानसभा चुनाव में 77.53 प्रतिशत हुआ था। इसके साथ ही अब हर किसी की नजर नतीजों पर है।

असम में एनआरसी पर आगे बढ़ेगी भाजपा?

असम की राजनीति में पिछले कुछ साल से एनआरसी सबसे बड़ा मुद्दा है। एनआरसी यानी नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजंस। इस मुद्दे पर असम में बड़े पैमाने पर हिंसक आंदोलन हो चुके हैं और कई लोग खुदकुशी भी कर चुके हैं। 2016 में हुए विधानसभा चुनाव में भी एनआरसी ही सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। बांग्लादेशी घुसपैठियों के मसले ने प्रदेश में भाजपा का आधार मजबूत किया है। भाजपा कहती रही है कि असम के नतीजे आते ही बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा। 2016 में पार्टी ने पहली बार राज्य में सरकार भी बना ली। इसके बावजूद एनआरसी पर बात आगे नहीं बढ़ी। ऐसे में यह मुद्दा इस बार भाजपा की चुनावी रणनीति पर आखिरी मुहर लगाएगा। यह चुनाव मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल के लिए भी परीक्षा की तरह थे। दूसरी बार पार्टी को मजबूत स्थिति में लाकर उन्होंने पार्टी के अंदर से मिल रही चुनौतियों पर भी पार पा लिया है।

एनआरसी पर भाजपा का कन्फ्यूजन

मुख्यमंत्री बनने के बाद सर्बानंद सोनोवाल ने एक इंटरव्यू में कहा था कि भाजपा का मकसद असम को विदेशियों से मुक्त करना है। इसमें किसी भी भारतीय को संदेह करने की जरूरत नहीं है। वहीं, इस साल 23 जनवरी को शिवसागर में एक सरकारी कार्यक्रम में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनआरसी का जिक्र तक नहीं किया। इसी के अगले दिन गृहमंत्री अमित शाह ने नलबाड़ी में एक रैली की लेकिन उनके भाषण में भी यह मुद्दा गायब रहा। इससे साफ जाहिर हुआ कि फिलहाल भाजपा इस मुद्दे को नहीं छेड़ना चाहती। हालांकि, उसके चुनाव प्रचार में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा शामिल रहा। अमित शाह बार-बार दोहराते रहे कि अगर कांग्रेस गठबंधन सत्ता में आता है तो असम में घुसपैठ की घटनाएं बढ़ जाएंगी।

पार्टी बोली- एनआरसी का चुनाव से लेना-देना नहीं

असम के भाजपा उपाध्यक्ष विजय कुमार कहते हैं कि एनआरसी से चुनाव का कोई लेना-देना नहीं है। घुसपैठियों की शिनाख्त के लिए इसका काम हुआ था। इसमें बहुत गलतियां रह गई हैं। कई भारतीयों के नाम लिस्ट में नहीं आए और काफी संख्या में अवैध बांग्लादेशी शामिल हो गए। उनका कहना है कि कोरोना के कारण सरकारी कामकाज ठप पड़ गए थे। हमारी प्राथमिकता लोगों को इस महामारी से बचाना है।

राज्य में भाजपा का टारगेट- 100+

असम में भाजपा ने अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर 126 विधानसभा सीटों में से 100 प्लस का टारगेट रखा था। हालांकि, वह इस टारगेट से काफी पीछे रह गई। फिर भी रुझानों में उसे पिछली बार से ज्यादा सीटें मिल रही हैं। उसकी सहयोगी रही बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने वोटिंग से पहले गठबंधन से अलग होने का ऐलान कर दिया था। इस चुनाव में उसका सूपड़ा साफ हो गया। असम की कुल साढ़े तीन करोड़ आबादी में 34 प्रतिशत मुसलमान हैं। 33 सीटों पर इनकी भूमिका निर्णायक होती है।

केरल में कुल 140 सीटों पर चुनाव हुए, 71 पर बहुमत

दिलचस्प यह है कि बंगाल में कांग्रेस और लेफ्ट मिलकर चुनाव लड़ते हैं, जबकि केरल में वे एक-दूसरे के विरोध में रहते हैं। पिछली बार यहां लेफ्ट की अगुआई वाला एलडीएफ जीता था। कांग्रेस इसका हिस्सा नहीं है। कांग्रेस की अगुआई वाला यूडीएफ यहां विपक्षी गठबंधन है। भाजपा ने इस बार 140 में से 113 सीटों पर उम्मीदवार उतारे। उधर, भाजपा ने पिछली बार केरल में 1 सीट जीती थी।

कोरोना पर बोले राहुल गांधी

देश की हालत बिना जानकारी तूफान में तैरती कश्ती जैसी

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना संक्रमण से बिगड़ते हालात के बीच शनिवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश की हालत बिना जानकारी तूफान में तैरती कश्ती जैसी हो गई है।

जब केस घटे तो पीएम ने क्रेडिट लिया, हालात बिगड़े तो राज्यों को दोष दे रहे हैं। उन्होंने मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि सही मायने लोगों को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

वैक्सीन के रेट को लेकर राहुल ने कहा कि टीके के दाम को लेकर सरकार अजीब व्यवहार कर रही है। पहले वैक्सीन का रेट अनाउंस किया जाता है, फिर दबाव के बाद उसे कुछ कम किया जाता है। ये क्या हो रहा है? सरकार खुद 150 रुपए में वैक्सीन ले रही है और राज्यों और अस्पतालों को कुछ और रेट। ये क्या डिस्काउंट सेल चल रहा है, पहले आप रेट बढ़ाते हैं, फिर उसे कम करवाते हैं। सरक लोगों की आंखों में धूल झोंक रही है।

केंद्र सरकार के व्यवहार पर

राहुल गांधी ने कहा कि कोरोना संक्रमण की सुनामी के लिए पूरी तरह केंद्र सरकार जिम्मेदार है। मोदी सरकार घमंडी है। वास्तविकता से कोसों दूर सिर्फ धारणाओं पर केंद्रित है। पीएम सेंट्रलाइज्ड और पर्सनलाइज्ड सरकार चला रहे हैं। पीएम सिर्फ अपनी ब्रांडिंग में लगे हु हैं। वे वास्तविकता से परे सिर्फ कल्पनाओं में जी रहे हैं।

जश्न मनाने वालों पर होगी एफआईआरः चुनाव आयोग

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे निकलने से पहले ही कुछ पार्टी समर्थकों के गलियों में निकलकर जश्न बनाये जाने की घटना पर कड़ा रुख अख्तियार किया है और कोरोना प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर कड़े निर्देश जारी किये हैं। आयोग ने पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और केन्द्रशासित प्रदेश पुडुचेरी की सरकारों को इस तरह के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने और संबंधित क्षेत्रों के थाना प्रभारियों को निलंबित किये जाने का निर्देश दिया है।

ममता बनर्जी, पिनारायी विजयन और एम के स्टालिन को जीत की बधाईः केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, केरल के मुख्यमंत्री पिनारायी विजयन और द्रमुक प्रमुख एम के स्टालिन को अपने-अपने राज्यों में शानदार जीत की ओर बढ़ने पर रविवार को बधाई दी। सीएम केजरीवाल ने ट्वीट की श्रंखला में कहा,' ममता बनर्जी दीदी को शानदार विजय पर बधाई, क्या लड़ाई है, पश्चिम बंगाल के लोगों को बधाई।'उन्होंने एक अन्य ट्वीट में लिखा, 'तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में शानदार जीत के लिए स्टालिन को बहुत-बहुत बधाई। मैं उनके सफल कार्यकाल की कामना करता हूं और तमिलनाडु के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में उनकी सफलता की आशा करता हूं।

तस्वीर हाथरस की है, जहां काउंटिंग हाल के बाहर ये भीड़ सोशल डिस्टेंसिंग का सच बता रही है। ये हाल तब है, जब यूपी में 24 घंटे के दौरान कोरोना संक्रमण से 300 से ऊपर मौतें हुई हैं।

पिछले 24 घंटे में चार लाख के करीब नए मामले आए सामने

रिकॉर्ड 3 लाख से ज्यादा ठीक भी हुए

नई दिल्ली। भारत में कोरोनावायरस का प्रकोप कितना अधिक है इसका अंदाजा लगाना है तो इन ताजा आंकड़ों को देख सकते हैं। शनिवार को दुनिया के टॉप-50 संक्रमित देशों में मिलाकर 3.91 लाख लोग संक्रमित पाए गए, जबकि अकेले भारत में 3 लाख 92 हजार 459 मरीजों की पहचान हुई। मतलब 50 देशों के टोटल केस से भी एक हजार ज्यादा मरीज भारत में मिले।

पिछले 24 घंटे में 2 राहत की खबरें भी आईं। पहली ये कि शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को संक्रमितों की संख्या में 9555 की कमी देखी गई। शुक्रवार को देश में रिकॉर्ड 4 लाख 2 हजार 14 लोग संक्रमित पाए गए थे, जो शनिवार को घटकर 3 लाख 92 हजार 459 पर पहुंच गया। दूसरी ओर पिछले 24 घंटे में दुनिया में सबसे ज्यादा मौतें भारत में हुई हैं। यहां 3,684 मरीजों ने दम तोड़ दिया। ब्राजील में मरने वालों की संख्या 2,278 रही। तीसरे नंबर पर अमेरिका रहा। यहां शनिवार को 661 लोगों ने जान गंवाई।

पहली बार एक दिन में 3 लाख से ज्यादा रिकवरी: शनिवार का दिन रिकवरी के मामले में काफी अच्छा रहा। पहली बार एक दिन के अंदर 3 लाख से ज्यादा लोग ठीक हुए। इस दौरान रिकवर होने वालों की संख्या 3 लाख 8 हजार 522 रही। अब तक दुनिया के किसी देश में एक साथ इतने मरीज रिकवर नहीं हुए हैं। इससे पहले शुक्रवार 2.99 लाख लोग ठीक हुए थे।

देश में कोरोना महामारी आंकड़ों में

बीते 24 घंटे में कुल नए केस आए: 3.92 लाख
बीते 24 घंटे में कुल मौतें: 3,684
बीते 24 घंटे में कुल ठीक हुए: 3.08 लाख
अब तक कुल संक्रमित हो चुके: 1.95 करोड़
अब तक ठीक हुए: 1.59 करोड़
अब तक कुल मौतें: 2.15 लाख
अभी इलाज करा रहे मरीजों की कुल संख्या: 33.43 लाख

कोरोना को रोकने के लिए सरकार बिना देर किये कदम उठाये : अखिलेश यादव

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोरोना की भयावता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर गंभीर नहीं है।उन्होने रविवार को जारी बयान में कहा कि सपा की मांग है कि केंद्र सरकार बिना देर किये हुए तत्काल प्रभावी कदम उठाये अन्यथा यह अक्षम्य होगा। देश की जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ बंद होना चाहिए।

अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार का आह्वान करती है कि बजटीय आवंटन 35 हजार करोड़ रुपये को तत्काल सुनिश्चित किया जाये इस बजट का इस्तेमाल पूरे देश मुफ्त टीकाकरण के लिए किय

जाए। यह भी मांग है कि सभ अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों प ऑक्सीजन की उपलब्धत सुनिश्चित की जाए।

कोरोना के हालात के बीच मोदी का रिव्यू

पीएम ने ऑक्सीजन और मेडिसिन की उपलब्धता की समीक्षा की

मेडिकल और नर्सिंग स्टूडेंट्स से कोविड ड्यूटी कराने की तैयारी

नई दिल्ली। देश में बेकाबू होते कोरोना के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को हाईलेवल मीटिंग की। इस दौरान मोदी ने एक्सपर्ट्स के साथ अलग-अलग मुद्दों बात की। मीटिंग के दौरान देश में ऑक्सीजन और मेडिसिन की उपलब्धता का रिव्यू भी किया गया। मीटिंग में कोरोना से निपटने के लिए कई अहम कदम उठाए गए। सरकार के सूत्रों के मुताबिक, पीएम ने आज देश में कोरोना के प्रभावी मैनेजमेंट के लिए मानव संसाधन बढ़ाने के मामले की समीक्षा की। बैठक में मेडिकल और नर्सिंग कोर्स से पास-आउट

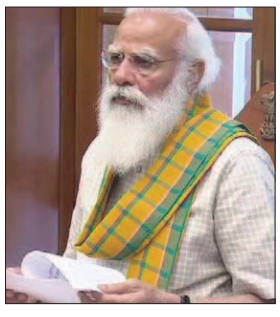

या स्टूडेंट्स को कोविड ड्यूटी से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने जैसे कई कदम उठाए जाने का फैसला किया गया। डीटेल जानकारी सोमवार को साझा की जाएगी।

मीटिंग में NEET एग्जाम में देरी पर चर्चा हुई और MBBS पास-आउट स्टूडेंट्स को भी कोविड ड्यूटी में के लिए प्रोत्साहित करने का फैसला किया गया। इस पर विचार किया गया कि कोविड ड्यूटी में MBBS और नर्सिंग के फाइनल ईयर स्टूडेंट्स की सेवाएं ली जाएं। कोविड ड्यूटी करने वाले मोडिकल पर्सनल्स को आर्थिक प्रोत्साहन के साथ ही सरकारी नियुक्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी।

मंत्रियों से बोले- अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों के संपर्क में रहें

इससे पहले मंत्रिमंडलीय समिति के सदस्यों के साथ मीटिंग में शुक्रवार को पीएम ने मंत्रियों से कहा था कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों के संपर्क में रहें। उनकी मदद करें और उनका फीडबैक लेते रहें। इधर, रक्षा मंत्रालय ने भारत की सशस्त्र सेनाओं को इमरजेंसी फाइनेंशियल पावर्स दे दिए हैं, ताकि वे बीमारी से निपटने के लिए जरूरी उपाय कर सकें।

शताब्दियों में एक बार आने वाली आपदा : मोदी

मोदी ने कहा था कि मौजूदा महामारी शताब्दियों में एक बार आने वाली आपदा है। इसने दुनिया के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। मीटिंग में कहा गया था कि भारत में बनी 2 वैक्सीन को इस्तेमाल की इजाजत दी जा चुकी है। कई और वैक्सीन भी आने वाली हैं। अब तक 15 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

दिल्ली: स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के पिता का कोरोना से निधन

केजरीवाल और सिसोदिया ने जताया शोक

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोरोना से आम और खास हर कोई प्रभावित है। रविवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के पिता का कोविड संक्रमण के चलते निधन हो गया। यह जानकारी दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने ट्विटर के माध्यम से दी और शोक जताया।

केजरीवाल ने लिखा, हमारे स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के पिता का कोविड संक्रमण से निधन हो गया। बेहद दुख है। सत्येंद्र जैन खुद 24 घंटे दिल्ली के लोगों के लिए बिना थके काम कर रहे हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे और मेरी संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। मनीष सिसोदिया ने भी सत्येंद्र जैन के पिता के निधन पर शोक जताते हुए अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

सार समाचार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 100वीं जयंती पर सत्यजीत रे को श्रद्धांजलि दी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को महान फिल्मकार सत्यजीत रे की 100 वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। ममता ने ट्विटर पर रे के लिए श्रद्धांजलि का संदेश लिखा। कई नामचीन हस्तियों और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले बहुत सारे लोगों ने भी वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर महान फिल्मकार को श्रद्धांजलि दी। ममता ने रे को दी गयी श्रद्धांजिल की शुरुआत उनके मशहूर गाने गोपी गायने बाघा बायने की सबसे लोकप्रिय पंक्ति -- महाराजा तोमारे सेलाम (महाराज को सलाम) से की। उन्होंने लिखा, महान फिल्मकार, लेखक, संगीतकार, गीतकार, चित्रकार सत्यजीत रे को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। वह ना केवल बंगाल के बल्कि भारत और पूरी दुनिया के गौरव हैं। वह दुनिया भर के लोगों के लिए एक प्रेरणा हैं।

जनादेश स्वीकार, मूल्यों और आदर्शों के लिए लड़ाई जारी रहेगी: राहुल गांधी

नयी दिल्ली। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन पर पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि वह जनादेश को स्वीकार करते हैं और पार्टी मूल्यों एवं आदर्शों के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने ट्वीट किया, ''हम जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करते हैं। अपने कार्यकर्ताओं और हमें समर्थन देने वाले लाखों लोगों का आभार। हम मूल्यों और आदर्शों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। जय हिंद।'' राहुल गांधी ने तमिलनाडु में जीत के लिए द्रमुक नेता एम के स्टालिन को बधाई दी। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु के लोगों ने बदलाव के लिए वोट किया। हम आपके (स्टालिन) नेतृत्व में लोगों के भरोसे को सही साबित करेंगे।'' उधर, कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की शानदार जीत के जिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बधाई दी और कहा कि भाजपा को उसके बराबर की टक्कर मिली और वह हार गई।

बहुमत मिलते ही टीएमसी की शर्मनाक करतूत, विपक्षी पार्टी भाजपा के ऑफिसों को फूंका

पश्चिम बंगाल में प्रचंड बहुमत के बाद ममता बनर्जी जनता के सामने आयी और कहा कि मैं सभी का धन्यवाद करती हूं। धन्यवाद के साथ उन्होंने कार्यकर्ताओं से जुलूस न निकालने की भी अपील की। वहीं पश्चिम बंगाल के कार्यकर्ताओ की दूसरी तस्वीर देखें तो वह काफी डराने वाली है। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बहुमत मिलते ही प्रदेश में अशांति फैला दी है। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने बिश्नुपुर भाजपा ऑफिस में आग लगा कर हंगामा मचाया है। अरंबाग में बीजेपी पार्टी का कार्यालय और हुगली में भी कार्यकर्ताओं ने आगजनी और तोड़फोड़ की है। सामने आयी वीडियो में आप देख सकते है कि भाजपा का पूरा ऑफिस टीएमसी के कार्यकर्ताओं मे आग के हवाले कर दिया। सत्ता में लौटते ही ये घमंड और हिंसा फैलाने की ये मानसिकता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पर सवाल उठाती है। ममता बनर्जी मीडिया से कुछ पलों के लिए रुबरू हुई लेकिन उन्होंने आगजनी की घटना पर कोई कमेंट नहीं किया। ममता की चुप्पी भाजपा से बदले की वहीं दूसरी तरह कोलकता में भी टीएमसी कार्यकर्ता भाजपा के कार्यकर्ताओं से भिड़ते नजर आये। ये घटनाएं काफी संवेदनशील है। क्या पश्चिम बंगाल में अब हिंसा के साथ सत्ता चलेगी।

प्रशांत किशोर का ऐलान, चुनावी रणनीतिकार के रूप में अब किसी दल के लिए नहीं करेंगे काम

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 200 के आंकड़े पार करने के बावजूद उसके रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने अब चुनावी रणनीति बनाने से दूरी बना ली है। प्रशांत किशोर ने इंडिया टुडे चैनल से कहा कि वह चुनाव रणनीतिकार के रूप में अब आगे किसी दल के लिए काम नहीं करेंगे। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए प्रशांत किशोर ने ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के लिए रणनीति तैयार की थी। प्रशांत किशोर ने दावा किया था कि पश्चिम बंगाल में भाजपा 100 से ज्यादा सीटें नहीं जीत पाएगी और वही होता दिखाई दे रहा है।

महाराष्ट्र के ठाणे में गैस रिसाव के कारण आग लगने से पांच लोग झुलसे

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक घर में द्रवित पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण आग लग जाने से एक परिवार के चार सदस्य और एक मेकैनिक झुलस गए। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख संतोष कदम ने बताया कि यह आग यहां बदलापुर की एक इमारत की सातवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे लगी। उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों ने देखा कि एलपीजी सिलेंडर की पाइप के ऊपरी हिस्से से गैस रिसाव हो रहा है, जिसके बाद उन्होंने इसे ठीक करने के लिए एक मैकेनिक को बुलाया। अधिकारी ने बताया कि जब मैकेनिक इसे ठीक कर रहा था, तभी गैस रिसाव के कारण आग लग गई और विस्फोट हो गया। उन्होंने बताया कि दमकल कर्मी घटनास्थल पहुंचे और उन्होंने एक घंटे में आग को काबू कर लिया।

उत्तर प्रदेश में बिगड़ते कोरोना के हालात पर कांग्रेस ने योगी सरकार को घेरा, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा 'यूपी कोविड केयर फंड'

लखनऊ। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने रविवार को कोविड-19 महामारी के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा बनाए गए 'कोविड केयर फंड' को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाये जाने का आरोप लगाते हुए इस पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने यहां एक बयान में कहा कि अप्रैल 2020 में सरकार ने 'कोविड केयर फंड' बनाया था जिसमें प्रदेश के आम आदमी का धन, विधायकों की क्षेत्र विकास निधि, सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों और प्रदेश के व्यापारी वर्ग से मोटी रकम 'जबरदस्ती' जमा करायी गयी।

उन्होंने कहा कि विधायक निधि को एक साल के लिये निलंबित कर 2020-21 की विधायक निधि का धन, मंत्रियों और विधायकों के वेतन में से 30 प्रतिशत वेतन की कटौती का धन आदि 'कोविड केयर फंड' में जमा कराया गया और बताया गया कि इसका उपयोग महामारी से लड़ने में किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, महामारी से लड़ने के लिये बनाये गये इस फंड का कोरोना की दूसरी लहर के समय में कुछ पता नहीं है। इस फंड का पैसा इस मुश्किल समय में कहां खर्च किया जा रहा है? प्रदेश में लोग ऑक्सीजन, दवा और स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाओं के अभाव में दम में तोड़ रहे हैं। ऐसे में 'यूपी कोविड केयर फंड' का धन कहां खर्च हो रहा है कुछ पता नहीं। लल्लू ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 'यूपी कोविड केयर फंड' भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है तथा कांग्रेस की मांग है कि सरकार इस कोष को लेकर श्वेत पत्र जारी करे।

लल्लू ने आरोप लगाया कि जिस पैसे का उपयोग लोगों की चिकित्सा के लिए किया जाना था, उसकी बंदरबांट हुई और उसका नतीजा यह है कि जब कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर चली तो 'सरकार ने प्रदेश के लोगों को उनके हाल पर मरने को छोड़ दिया है।' उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का प्रत्येक नागरिक आदित्यनाथ सरकार की लापरवाही और संवेदनहीन रवैये की वजह से कोरोना वायरस महामारी से 'निजी तौर पर अपनी क्षमता से लड़ रहा है।'

कांग्रेस प्रदेश प्रमुख ने कहा कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में बताया था कि जुलाई 2020 तक 'यूपी कोविड-केयर फंड' में विभिन्न स्रोतों से 412 करोड़ रुपये जमा हुए थे और इनमें से 252 करोड़ रुपये का चिकित्सा उपकरणों, दवाओं ढांचागत सुविधाएं खरीदने तथा प्रवासी श्रमिकों की मदद करने में इस्तेमाल किया गया जबकि बाकी 160 करोड़ रुपये कहां गए, उसका आज तक पता नहीं। उन्होंने कहा कि जुलाई 2020 के बाद भी जो धनराशि 'कोविड-केयर फंड' में जमा हुई उसका भी कोई हिसाब किताब आदित्यनाथ सरकार की तरफ से सार्वजनिक नहीं किया गया।

कोरोना के खिलाफ जंग में चिकित्सा, नर्सिंग छात्रों को शामिल कर सकती है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कोविड-19 की मौजूदा स्थिति के प्रभावी प्रबंधन के लिए मानव संसाधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की और इस दौरान जिन संभावित कदमों पर चर्चा हुई, उनमें चिकित्सा एवं नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े छात्रों या पास कर चुके छात्रों को प्रोत्साहन प्रदान करना भी शामिल है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इन कदमों के संबंध में सोमवार को विस्तृत जानकारी सरकार की ओर से जारी की जा सकती है। एक सरकारी सूत्र ने कहा, ''निर्णयों में एनईईटी की परीक्षा टालने और एमबीबीएस पास कर चुके छात्रों को कोविड-19 के खिलाफ अभियान में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना भी शामिल हो सकता है। अंतिम वर्ष के एमबीबीएस और नर्सिंग छात्रों की भी इस अभियान में सेवा लेने का फैसला किया जा सकता है।''

सूत्र ने बताया कि कोविड-19 के काम में जुटे चिकित्साकर्मियों को सरकारी नियुक्तियों में प्राथमिकता दी जा सकती है और उन्हें वित्तीय सहायता भी मुहैया कराई जा सकती है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब देश के कई हिस्सों में कोविड-19 के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। रविवार को एक दिन में सर्वाधिक 3,92,488 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही देश में कोरोना संक्रमण के कुल मामले 1,95,57,457 हो गए जबकि पिछले 24 घंटों में 3,689 लोगों की मौत हो गई। देश में कोरोना की दूसरी लहर के मद्देनजर प्रधानमंत्री लगातार बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्रियों, अधिकारियों, ऑक्सीजन निर्माताओं सहित अन्य हितधारकों के साथ बैठकें की हैं। पिछले दिनों सेना प्रमुख और वायु सेना प्रमुख ने भी प्रधानमंत्री से मुलाकात में उन्हें सशस्त्र बलों द्वारा कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में उठाए गए कदमों से अवगत कराया।

पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के प्रचार के बावजूद ममता जीतीं: उद्धव ठाकरे

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को 'बंगाल की शेरनी' और तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी को 'अकेले' ही चुनावी वैतरणी पार कराने के लिए बधाई दी। तृणमूल कांग्रेस राज्य विधानसभा चुनाव की 292 सीटों पर हुए चुनाव में करीब 200 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। ठाकरे ने यहां जारी बयान में कहा कि बनर्जी ने 'अकेले ही बंगाल के आत्मसम्मान की लड़ाई का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा, '' इस जीत के लिए सारा श्रेय बंगाल की शेरनी को जाता है।''

शिवसेना का नेतृत्व कर रहे ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, केंद्र के कई मंत्री और कई राज्यों के मुख्यमंत्री बनर्जी को हराने के लिए पश्चिम बंगाल के मैदान में उतरे हुए थे। ठाकरे ने कहा, ''लेकिन उन्होंने इन सभी ताकतों को हरा दिया। मैं उन्हें और पश्चिम बंगाल की जनता को उनकी हिम्मत के लिए बधाई देता हूं।'' महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार की ओर परोक्ष इशारा करते हुए कटाक्ष किया कि अगर सब लोग राजनीति कर चुके हों तो आइए, अब हम एकजुट होकर कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई पर ध्यान केंद्रित करें।

बंगाल की जनता का अमित शाह ने जताया आभार, कहा- जनादेश का सम्मान करते हैं

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों के रुझानों पर ट्वीट कर कहा कि हम बंगाल की जनता के जनादेश का सम्मान करते हैं। अमित शाह ने कहा कि भाजपा को दिए समर्थन के लिए जनता का आभार व्यक्त करता हूं। भाजपा एक मजबूत विपक्ष के रूप में बंगाल की जनता के अधिकारों व प्रदेश की प्रगति के लिए निरंतर आवाज उठाती रहेगी। भाजपा बंगाल के कार्यकर्ताओं के परिश्रम के लिए उनका अभिनंदन करता हूं।

वहीं असम के रुझानों पर अमित शाह ने कहा कि शांति, सुशासन व विकास की राजनीति को पुनः चुनने के लिए असम की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पूरी लगन से असम में अपनी कल्याणकारी नीतियों से लोगों के जीवनस्तर को उठाने व उनकी सुरक्षा और समृद्धि के लिए निरंतर कटिबद्ध रहेगी।

बंगाल के चुनावी रुझानों पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्वीट कर कहा कि भारतीय जनता पार्टी बंगाल की जनता के जनादेश का हृदय से सम्मान करती है और इस परिणाम के लिए जनता का आभार व्यक्त करती है। मैं प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष जी और समस्त कार्यकर्ताओं को उनके तप व परिश्रम के लिए धन्यवाद देता हूँ।भाजपा ÷सोनार बंगाल÷ के स्वपन के लिए लगातार काम करती रहेगी। नड्डा ने कहा कि भाजपा अपनी विचारधारा को बंगाल के घर-घर तक ले जाने का काम निरंतर करती रहेगी।मैं उन सभी कार्यकर्ताओं को नमन करता हूँ, जिन्होंने इस संघर्ष में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। ये कार्यकर्ताओं की मेहनत का ही परिणाम है, जिसने भाजपा को बंगाल में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में स्थापित किया।

राजस्थान में कोरोना संक्रमितों की संख्या के अनुपात में ऑक्सीजन की कमी: गहलोत

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान में ऑक्सीजन की कमी का मुद्दा एक बार फिर उठाते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि राज्य में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या के अनुपात में ऑक्सीजन की कमी है। गहलोत ने विपक्षी पार्टी भाजपा के नेताओं व राज्य के सांसदों से सहयोग मांगा है कि वह राज्य की बात केंद्र सरकार के सामने उठाएं। गहलोत ने ट्वीट किया,' राजस्थान में कोरोना संक्रमितों की संख्या के अनुपात में ऑक्सीजन की कमी है। प्रदेश भाजपा के नेताओं ने भी इस बात को माना है कि केन्द्र सरकार से प्रदेश को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल रही है। '

गहलोत के अनुसार,' मैं, नेता प्रतिपक्ष, उपनेता प्रतिपक्ष, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व प्रदेश के सभी सांसदों से अपील करता हूं कि वे केन्द्र सरकार में गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्रीहर्षवर्धन, रसायन मंत्री मनसुख मांडविया व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से बातकर प्रदेश की ऑक्सीजन और दवाइयों का आवंटन बढ़ाने की मांग करें। ' मुख्यमंत्री ने कहा, ÷जैसा कि सभी को विदित है कि हमारे तीन कैबिनेट मंत्रियों ने दिल्ली जाकर केन्द्र सरकार के सामने प्रदेश की स्थिति की जानकारी देकर ऑक्सीजन एवं दवाओं का आवंटन बढ़ाने की मांग की थी।

कोरोना की स्थिति के कारण भले ही भाजपा नेता दिल्ली ना जाएं लेकिन वीडियो कॉन्फ्रेंस से केन्द्रीय मंत्रियों के साथ बैठक कर राज्य की मांग दृढ़ता से रखें÷ उन्होंने कहा,' यह समय राजनीति से ऊपर उठकर राज्य के लिए कार्य करने का है। हमारा प्रयास है कि केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर कोरोना का मुकाबला करें। हमारा प्रयास है कि राजस्थान में कोई भी मरीज ऑक्सीजन की कमी से प्राण ना गंवाए, लेकिन इसके लिए हमें ऑक्सीजन की उचित मात्रा के आवंटन की आवश्यकता है। गहलोत ने कहा ÷ केन्द्र सरकार ने पूरे देश के ऑक्सीजन व रेमडेसिविर दवाई के उत्पादन पर नियंत्रण कर रखा है, इसलिए हम खुले बाजार से भी ऑक्सीजन व दवाई नहीं खरीद सकते हैं।

विधानसभा चुनाव के नतीजों पर कांग्रेस बोली- जनादेश स्वीकार्य, आत्मविश्लेषण करेंगे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद रविवार को कहा कि वह जनादेश को स्वीकार करती है तथा वह इसका विश्लेषण करेगी और गलतियां सुधारेगी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने इस बात पर जोर भी दिया कि राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस ही एकमात्र मजबूत विकल्प है। बता दें कि कांग्रेस असम और केरल में सत्ता में वापसी करने में विफल रही, जहां वह मुख्य विपक्षी दल थी। पश्चिम बंगाल में उसका सफाया हो गया तो पुडुचेरी में भी उसे हार मिली है। तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन जीत की ओर अग्रसर है, जिसमें कांग्रेस भी शामिल है।

सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, हम इन चुनाव परिणामों को पूरी विनम्रता और जिम्मेदारी से स्वीकार करते हैं। इस विषय पर कोई दो राय नहीं हो सकती कि चुनाव परिणाम हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं हैं, विशेषकर असम और केरल विधानसभा के चुनाव परिणाम हमारे लिए चुनौतीपूर्ण भी हैं और आशा के विपरीत भी।

उन्होंने कहा, हम चुनाव हारे हैं, पर न ही हिम्मत हारी, न मनोबल खोया और न ही आगे बढ़ते रहने का संकल्प। कांग्रेस पार्टी इन चुनाव परिणामों का पार्टी मंच पर विधानसभावार विश्लेषण करेगी और जहां जो भी कमियां रही है, भविष्य के लिए उन्हें सुधार कर हम और गंभीरता से काम करेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा, असम और केरल के चुनाव परिणाम हमारे लिए चिंतन का विषय हैं। इन दोनों ही राज्यों में हमारे कार्यकर्ताओं व नेताओं ने मिलकर धरातल पर कड़ी मेहनत की, पर जनता का मत फिर भी हमारे पक्ष में नहीं रहा। दोनों ही राज्यों में हम एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में जनता की समस्याओं को सदन में भी और सदन के बाहर भी पूरी ताकत से उठाएंगे।

ममता बनर्जी को बधाई दी

सुरजेवाला ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को तृणमूल कांग्रेस की प्रचंड जीत की बधाई दी और कहा कि यह भाजपा के %विभाजनकारी एजेंडे, धनबल और बाहुबल की हार है। उन्होंने कहा, %%हम असम में भारतीय जनता पार्टी व सर्वानंद सोनोवाल को जीत की मुबारकबाद देते हैं। हम केरल में एलडीएफ व पिनराई विजयन को भी जीत की शुभकामनाएं देते हैं। हमें उम्मीद है कि वो न केवल अपने चुनावी वादों पर खरा उतरेंगे, बल्कि महामारी के इस माहौल में हर जीवन की रक्षा हेतु अपनी सरकार की पूरी ताकत लगाएंगे।

तमिलनाडु की जीता पर क्या बोली कांग्रेस?

कांग्रेस नेता ने कहा, तमिलनाडु में हम द्रमुक गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़े। जनता ने भाजपा और अन्नाद्रमुक के गठबंधन को नकारकर हमारे गठबंधन में विश्वास जताया है। हम जनाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे और प्रदेश की प्रगति के लिए कार्य करेंगे। देश में कोरोना संकट का उल्लेख करते हुए कहा, इस वक्त चुनावों से भी बड़ी प्राथमिकता देश को कोविड के संकट से उबारने की है। कांग्रेस पार्टी, युवा कांग्रेस और कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ता लोगों की हर संभव सहायता कर रहे हैं।

चुनाव से बाहर निकले सरकार

उन्होंने कहा, हमारा केंद्र की मोदी सरकार से अनुरोध है कि अब चुनावी जोड़-तोड़ से निकलकर कोविड संक्रमण से अप्रत्याशित तौर से जूझ रही देश की जनता के लिए इलाज, जीवनरक्षक दवाइयों, अस्पताल, बेड व ऑक्सीजन के बंदोबस्त पर ध्यान दें तथा वैक्सीनेशन कार्यक्रम पर एक राष्ट्रीय नीति बनाकर काम करें। यही सच्ची देश सेवा है। एक सवाल के जवाब में सुरजेवाला ने कहा, इस देश का सुदृढ़ संचालन केवल कांग्रेस कर सकती है। हम क्षेत्रीय नेताओं की जीत को स्वीकार करते हैं। लेकिन कांग्रेस ही एकमात्र राजनीतिक दल है जिसके पास अनुभव भी है और पूरे देश के लिए सोच भी है।

खूबसूरत और महकती त्वचा

खुशबू का इतिहास कितना पुराना है ये तो नहीं कहा जा सकता लेकिन फूलों का वर्णन तो धार्मिक ग्रंथों में भी है। माँ लक्ष्मी कमल पर विराजती है तो भगवान ब्रम्हा का प्रिय पुष्प ब्रम्ह कमल को माना जाता है। ये अनुमान लगाया जा सकता है कि जितना पुराना इतिहास फूलों का है उतना ही पुराना इतिहास सुगंध का भी है। राजा-महाराजाओं के काल से विभिन्न प्रकार के इत्र-सुगंधादि के उपयोग किए जाने के प्रमाण हैं। मुगल शासन में तो रानियां अपने स्नान के पानी में भी इतर या इसी तरह के सुगंधित चीजों का उपयोग करती थी। केसर, गुलाब, केवड़ा, मोगरा, चमेली, चंदन तथा लोभान आदि सुगंध न सिर्फ तरोताजगी से भर देते हैं बल्कि इनके द्वारा रोगों का उपचार भी किया जाता था । इन्हीं प्राचीन उपचार पद्धितयों को आजकल फिर से अपनाया जा रहा है।

सूखी त्वचा- बेंजोनिन, पामारोज, पेचौली, गाजर, जिरेनियम, पेट्टी ग्रैन, लेवेण्डर, कुसुम, गुलाब, चंदन।

ऑइली स्कीन - लेवेण्डर, ऑरेंज, लेमन, कपूर, नेरोली, यांग-यांग, बर्गामोट।

सामान्य त्वचा- पामारोज, गाजर, जिरेनियम, लेवेण्डर, कुसुम, चमेली, नेरोली, यांग-यांग, लोबान, चंदन, पेचौली।

असामान्य त्वचा- जिरेनियम, लेवेण्डर, कुसुम, कपूर, यूकेलिप्टस थाइम गंधरस।

संवेदी त्वचा- जिरेनियम, लेवेण्डर, कुसुम।

स्कीन के लिए खूशबू फेशियल आइल्स

सामान्य त्वचा- बेंजोनिन, गाजर, कुसुम, लोबान, सीप्रेस, जिरेनियम, चमेली, जूनिपर, लेवेण्डर, लेमन, मार्जोटम, ऑरेंज, पामारोज, पेचौली, पिपरमिंट, पेट्टी ग्रैन, रोजमैरी, यांग-यांग।

सूखी त्वचा- बेंजोनिन, गाजर, कुसुम, जिरेनियम, हीसोप, लेमन, नेरोली, पामारोज, पेचौली, गुलाब, रोजमेरी, चंदन।

शुष्क त्वचा- गाजर, जिरेनियम, लेवेण्डर।

नम त्वचा- गाजर, सीप्रैस, जिरेनियम, हीसोप, लेवेण्डर, लेमन, पामारोज, पेचौली, गुलाब, चंदन।

संवेदी त्वचा- गाजर, कुसुम, जिरेनियम, लेवेण्डर।

असामान्य त्वचा- गाजर, कुसुम, लोबान, जिरेनियम, हीसोप, जूनिपर, लेवेण्डर, लेमन, पेचौली, पामारोज, चंदन।

गर्मियों में त्वचा को दें राहत

गर्मियों के दौरान सफेद चंदन या चंदन चूर्ण को पानी में मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है। यह एंटी बैक्टीरियल होता है जिससे त्वचा साफ-स्वच्छ और शीतल बनती है।इसी तरह नीम, तुलसी, गुलाब की पंखुड़ियों और चंदन (बराबर मात्रा में) में कच्चा दूध मिलाकर तैयार लेप का प्रयोग करने से त्वचा में उजलापन आता है और मुँहासों से भी राहत मिलती है। इस लेप को कम से कम एक घंटे तक लगाए रखें और फिर पानी से धो दें। इस उपचार से आपकी त्वचा मुलायम और नरम बनेगी। 10 ग्राम सूखे नीम के पत्तों और सात काली मिर्च का चूर्ण बनाकर मिलाएँ और इसमें पानी मिलाकर इसे छान लें। घर में तैयार इस टॉनिक के सेवन से त्वचा संबंधी कई विकारों से राहत मिलती है। एक सप्ताह तक इस नुस्खे को आजमाएँ और खुद ही फर्क देख लें।

प्रेग्नेंसी में रखें खान पान का ध्यान

प्रेग्नेंसी में क्या खाएं, क्या ना खाएंखान-पान पर दें विशेष ध्यान प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को विटामिन, प्रोटीन, आयरन रिच भोजन लेना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध, फल, जूस का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए। ऐसे समय में फास्ट फूड, आइली, स्पाइसी फूड अवाइड करना चाहिए। इस दौरान फोलिक एसिड, डीएचए टेबलेट भी अनिवार्य रूप से लेना चाहिए।

सावधानी जरूरी : अधिक उम्र में प्रेग्नेंसी में महिलाओं को विशेष सावधानी रखनी चाहिए। ऐसे समय में थाइराइड, ब्लडप्रेशर, शुगर का रेग्युलर चेकअप कराते रहें। बच्चे के डेवलपमेंट की जानकारी के लिए समय-समय पर सोनोग्राफी अवश्य कराएं। कोई भी समस्या आने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इस दौरान जितना हो सके ज्यादा दूरी के सफर से बचना चाहिए।

बेजीटेवल : आठ से नौ सप्ताह में शिशु की आंख का विकास होता है, इसलिए इन्हें भोजन में प्राथमिकता दें। इसमें पाए जाने वाले विटामिन ए और सी के साथ अन्य विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर कांस्टिपेशन को दूर करने में मददगार होते हैं। विटामिन सी युक्त जैसे गोभी, ग्रीन बीन्स और टमाटर बॉडी को कैल्शियम एब्जॉर्ब करने में हेल्प करते हैं।

पीरियड्स के दौरान कौन सी एक्सरसाइज करें

अक्सर स्त्रियों को इस बात का भ्रम होता है कि पीरियड्स के दौरान होने वाली समस्याओं से बचने के लिए ज्यादा काम या एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। सिर्फ बेड रेस्ट करना चाहिए। ऐसा आपने अकसर बड़ी उम्र की स्त्रियों से सुना होगा कि उन दिनों में एक्सरसाइजज करना नुकसानदेह होता है। जबकि ऐसा सोचना गलत है, पीरियड्स के दौरान एक्सरसाइज करने से न सिर्फ आपकी बॉडी शेप में रहती है बल्कि उस दौरान होने वाले दर्द (बैक पेन और एब्डॉमिनल क्रैम्प्स) से भी छुटकारा मिलता है।

एक्सरसाइज मेटाबॉलिज्म को मजबूत करती है और आपको एनर्जी प्रदान करती है। यह आपके उन दिनों के लिए बहुत ही जरूरी है, क्योंकि तब आपको अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा की जरूरत होती है। एक्सरसाइजज करने से एंड्रोर्टॉक्सिंग बाहर निकालती है।

एक्सरसाइजज से हमारे शरीर में एक प्रकार का नैचुरल पेनकिलर विकसित होता है जो पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द और मूड के बदलाव को ठीक करने में मदद करता है। यहां तक कि वर्कआउट से पेट की सूजन भी कम होती है। यहां हम आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बता रहे हैं जिन्हें आप पीरियड्स के दिनों में आसानी से कर सकती हैं। हालांकि जो युवतियां शुरू से लगातार एरोबिक्स करती रही हैं उन्हें उन दिनों में किसी प्रकार की मनाही नहीं होती। बस एक बात का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि लोवर बॉडी पार्ट की एक्सरसाइज न की जाए।

1.अगर आप कार्डियोवैसकुलर एक्टीविटी करना चाहती हैं तो बेहतर होगा कि आप जरूरत से ज्यादा मूवमेंट जैसे जम्पिंग, रनिंग या किकिंग हाई न करें। दरअसल, उन दिनों सहनशक्ति का स्तर कम हो जाता है, ऐसे में हलकी-फुलकी एरोबिक्स करने से मूड भी अच्छा होगा और आपको एनर्जी भी मिलेगी। लेकिन बहुत ही नियंत्रित और संतुलित मूवमेंट अपनाएं जिसमें आपके आर्म्स और अपर बॉडी की एक्सरसाइज हो।

2. कार्डियोवैस्कुलर की सबसे अच्छी एक्सरसाइज है 30-40 मिनट टहलना। ब्रिस्क तथा वॉक ज्यादा तेज़ करते हैं तो यूट्रस की बाहर की लाइनिंग जो पीरियड्स के दौरान बहुत संवेदनशील हो जाती है, उस पर बहुत दबाव पड़ सकता है। इस कारण पीरियड्स का फ्लो ज्यादा हो सकता है या फिर बिलकुल ही बंद हो सकता है इसलिए ब्रिस्क वॉक की जगह हमें नॉर्मल वॉक करना चाहिए।

3. कोशिश करें कि सीधे जमीन पर न बैठकर वज्रासन लगाकर बैठें ताकि आपके यूट्रस और ओवरी को कोई हानि न पहुंचे और साथ-साथ उनकी टोनिंग भी हो पाए।

4. इस दौरान ठंडी चीजें जैसे कोल्ड ड्रिंक्स वगैरह कम से कम लें। ठंडी चीजें खाने से ओवरी पर सूजन आने की संभावना रहती है।

5. योग में नौकासन, हलासन बिलकुल न करें। गोमुख आसन या फिर धनुरासन कर सकती हैं। इस दौरान प्राणायाम बहुत उपयोगी रहेंगे। प्राणायाम में अनुलोम-विलोम, शीताली, शितकारी, भ्रामरी करने से उस दौरान चिड़चिड़ापन और मूड खराब होने जैसी समस्याओं से निजात मिलेगा।

6. इस बात का ध्यान रखें कि वर्कआउट्स करने के बाद अच्छी तरह स्ट्रेच करें।

7. पीरियड्स के दौरान जिम में लोवर एब्डॉमन की एक्सरसाइज बिलकुल न करें। अपर बॉडी एक्सरसाइज कर सकती हैं।

8. जो भी एक्सरसाइज करें उसमें कंधों का प्रयोग हो। लाइट वेट्स का इस्तेमाल करें। वह भी सिर्फ अपर बॉडी के लिए।

9. जिम जाकर मशीन का प्रयोग बिल्कुल न करें।

अपने शरीर की सुनें

अगर आपको पीरियड्स के दौरान बहुत ज्यादा पीठ का दर्द या क्रैम्प्स नहीं पड़ते तो एक्सरसाइज करने से हिचकिचाएं नहीं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि आप अगर उन दिनों काम करना चाहती हैं, तो आराम से कर सकती हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा दबाव आपके शरीर के निचले हिस्से या पेल्विक पर न पड़े। अपने शरीर की सुनें जितना काम हो सकता है करें, जब तक कि आपको किसी प्रकार की दिक्कत न हो। यह बात अपने जेहन में डाल लें कि पीरियड्स के दौरान अस्सी प्रतिशत स्त्रियों को हलका-फुलका पेट दर्द और कमर दर्द होना एक आम समस्या है। इसका यह मतलब कतई नहीं है कि आप घर पर बैठकर आराम करें। खुद तय करें कि आप कुछ कर सकती हैं।

संपादकीय

टीके का अर्थशास्त्र

दुनिया भर में भारत की छवि को एक हाथी के तौर पर प्रस्तावित किया जाता है, अपनी मंथर गति से चलता हुआ हाथी। पर हालात अब ऐसे हैं कि कोरोना की गति तो तूफानी हो गई है और उसके खिलाफ संघर्ष भी मंथर गति से चल रहा है। अभी यह बहस चल रही है कि टीकाकरण का खर्च कौन करेगा, मुफ्त होना चाहिए या केंद्र को ही वहन कर लेना चाहिए या राज्यों को भी इसमें हिस्सेदारी निभानी चाहिए। यह आग लगने पर कुआं खोदने जैसा नहीं हैग यह स्थिति तो आग लग जाने के बाद कुआं खोदने पर चर्चा जैसा है। ऐसा नहीं होना चाहिए। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार चाहे, तो वैक्सीन का पूरा खर्च उठा सकती है। उनका कहना है कि चालू वित्त वर्ष यानी 2020-21 में विकास दर 10.5 फीसदी संभव है। ऐसी स्थिति में टीके पर खर्च को एक तरह से वित्तीय निवेश के तौर पर ही देखा जाना चाहिए। राजीव कुमार की बात को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। कोरोना सिर्फ स्वास्थ्य आपदा नहीं हैग यह आतथक आपदा भी है। लोगों ने डर कर घर से बाहर निकलना छोड़ दिया है। होटल, पर्यटन, शॉपिंगमॉल, सारे कारोबार ठप हो गए हैं। लोगों का डर तब जाएगा, जब व्यापक टीकाकरण हो जाएगा। टीकाकरण की रफ्तार अभी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। करीब 130 करोड़ के देश में अभी बीस करोड़ लोग भी टीका-संरक्षित नहीं हुए हैं। एक बड़ी बाधा वितीय बाधा है। राज्य सरकारों के पास संसाधनों का संकट है, यूं केंद्र के पास भी खुला खजाना नहीं है। पर केंद्र सरकार की संसाधन संग्रह क्षमता राज्य सरकारों के मुकाबले ज्यादा है। यह समय ज्यादा अगर मगर का नहीं है। टीकाकरण के लिए संसाधनों का संग्रह किया जाए और तेज गति से टीकाकरण किया जाएग शिविर लगाकर किया जाए। घर-घर जाकर किया जाएग पर तेज गति से किया जाए। टीका संरक्षित लोग घर से बाहर निकलेंगेग रोजगार-धंधा बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था में चमक आएगी। राजीव कुमार के सुझाव को गंभीरता से लेकर त्वरित पहलकदमी होनी चाहिए। कोरोना आतथक आपदा है और उसका अर्थ के स्तर पर मुकाबला जरूरी है। डरे हुए लोग अर्थव्यवस्था को बाधित करते हैं। प्रसन्न और चिंतामुक्त लोग तमाम धंधों को बढ़ाते हैं। यह समय बहुत ही विशिष्ट समय है। विशिष्ट समय में विशिष्ट उपायों की जरूरत होती है। और केंद्र सरकार को त्वरित और व्यापक टीकाकरण की आतथक बाधाओं को तुरंत दूर करना चाहिए।

आपदा से फायदा

जिस कोरोना संकट को लेकर देश बेफिक्र हो गया था, उसने ज्यादा ताकत से पलटवार करके सारी व्यवस्थाओं को ध्वस्त कर दिया है। पहले से लचर चिकित्सा व्यवस्था चरमरा कर रह गई है। अस्पतालों में बेड, दवाइयां और वेंटिलेटर नहीं हैं। एक तो नई महामारी का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इस बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां बाजार से गायब हो गई हैं। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। सरकार का व्यवस्था पर नियंत्रण कमजोर होता दिख रहा है। हमारे पास न तो पर्याप्त मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता है और न ही उपलब्ध ऑक्सीजन को अस्पतालों तक पहुंचाने की कारगर व्यवस्था। इस महामारी में किसी हद तक शुरुआती दौर के उपचार में कारगर बताये जा रहे रेमडेसिविर इंजेक्शन के नाम पर भारी कालाबाजारी की जा रही है। जीवन के संकट से जूझ रहे मरीजों से इनके मुंहमांगे दाम वसूले जा रहे हैं। मरीजों से पचास हजार से लेकर एक लाख तक की कीमत वसूले जाने की शिकायतें मिल रही हैं। देश में दवाइयों और इंजेक्शनों के तमाम जमाखोर सक्रिय हो गये हैं। इस जमाखोरी पर रोक लगाने की कोशिशें सफल होती नजर नहीं आ रही हैं। संकट में पड़े अपनों का जीवन बचाने के लिये लोग कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। इसी आतुरता का फायदा उठाने के लिये आपदा में अवसर ढूंढने वाले मनमाने दाम वसूल रहे हैं। हद तो तब हो गई जब कई जगह जीवनरक्षक इंजेक्शनों की जगह नकली इंजेक्शन तैयार करने की खबरें आ रही हैं। इस मामले में कुछ गिरफ्तारियां भी हुई हैं। कालाबाजारी के इस गोरखधंधों में कुछ दवा निर्माताओं और डॉक्टरों तक की गिरफ्तारी हुई हैं। लेकिन इस कालाबाजारी पर पूरी तरह रोक लगाने की कोशिशें सफल होती नजर नहीं आती। ऐसा नहीं हो सकता कि ऐसी कालाबाजारी पर नियंत्रण करने वाले विभागों व पुलिस को इंसानियत के ऐसे दुश्मनों की कारगुजारियों की भनक न हो। मगर, समय रहते ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आती।

विडंबना देखिये कि दिल्ली में ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदने गये एक मरीज को कुछ लोगों ने अग्निशमन में काम आने वाले सिलेंडर बेच दिए। महिला की शिकायत के बाद दो युवकों की गिरफ्तारी हुई। कुछ इंसान चंद रुपयों के लालच में किस हद तक गिर जाते हैं कि संकट में फंसे लोगों के जीवन से खिलवाड़ पर उतारू हो जाते हैं। जाहिर-सी बात है कि महामारी का जो विकराल रूप हमारे सामने है, उसमें ऑक्सीजन और दवाओं की किल्लत स्वाभाविक है। यह पहली बार है कि मरीजों को जीवनदायिनी मेडिकल ऑक्सीजन की जरूरत इतनी बड़ी मात्रा पर हुई हो। दरअसल, मांग व आपूर्ति के संतुलन से चीजों की उपलब्धता होती है। बताया जा रहा है कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की मांग सितंबर के बाद जनवरी तक न के बराबर हो गई थी, इसलिए कंपनियों ने इसका उत्पादन बंद कर दिया था। अब अचानक महामारी के फैलने के बाद मांग बढ़ने से इसकी पूर्ति नहीं हो पा रही है, जिससे इसकी कालाबाजारी लगातार बढ़ती जा रही है। हालांकि, सरकार ने इसके इंजेक्शन का उत्पादन तेज करने के निर्देश दिये हैं, लेकिन आपूर्ति बढ़ने में कुछ वक्त लग जाता है। दरअसल, एक वजह यह भी कि कोरोना ने गांव-देहात की तरफ जब से पैर पसारने शुरू किये, लोकल डॉक्टर स्थिति समझे बिना ही यह इंजेक्शन मरीजों को लाने के लिये कह रहे हैं, जिससे इसकी मांग अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है। अब विदेशों से भी यह इंजेक्शन देश में पहुंचने वाला है, शायद उससे भी इसकी ब्लैक मार्केटिंग पर अंकुश लग सकेगा। बहरहाल, भारत में तेजी से महामारी का दायरा बढ़ता जा रहा है, दवाओं व ऑक्सीजन की कालाबाजारी अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। निस्संदेह यह संकट जल्दी समाप्त होने वाला नहीं है।

कटाक्ष/कबीरदास

नेपाल में रोकथाम

हाल के हफ्तों में कोरोना संक्रमण के मामलों में भारी वृद्धि से देश बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सरकार ने अनिवार्य कर दिया है, बाहर से आने वाले नागरिकों को 10 दिन क्वारंटीन रहना पड़ेगा। सरकार ने चीनी और भारतीय नागरिकों को छोड़कर, विदेशियों के भूमि मार्ग से देश में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, चीनी और भारतीय नागरिकों को अपने देश से प्रस्थान करने से 72 घंटे पहले ली गई कोरोना नेगेटिव रिपोर्ट पेश करनी पड़ेगी। जो लोग विदेश से आएंगे, वे नेगेटिव रिपोर्ट के अलावा होटल में दस दिन की बुकिंग के कागज भी दिखाएंगे। जहां तक नेपाली नागरिकों का संबंध है, तो उन्हें भी नेगेटिव रिपोर्ट दिखानी पड़ेगी और अपने घर में दस दिन क्वारंटीन रहना पड़ेगा। सरकार ने जिला कोविड-19 संकट प्रबंधन केंद्रों और स्थानीय स्तर पर भी कड़ाई से निगरानी के लिए कहा है कि क्या विदेश से घर लौट रहे नेपाली नागरिक निर्धारित स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं? भारत से आने वाले लोगों की सख्ती से निगरानी के लिए नेपाली सेना को नेपाल-भारत सीमा पर प्रवेश बिंदुओं पर काम सौंपा गया है। सेना को सीमा पर अस्थाई होल्डिंग सेंटर स्थापित करने के लिए कहा गया है। इस तरह के होल्डिंग सेंटर में एक बार में 1,000 से अधिक लोगों को रखने की क्षमता होगी। सेना को यह भी कहा गया है कि विभिन्न स्थानों पर अस्थाई अस्पतालों का निर्माण किया जाए, ताकि मौजूदा कोविड-19 केंद्र संक्रमित लोगों से भर जाएं, तो अस्थाई अस्पतालों का सहारा लिया जा सके। देश भर की रिपोर्टें बताती हैं कि नए कोविड-19 मामलों में उछाल के कारण अधिकांश अस्थाई कोरोना वायरस केंद्र पहले से ही भरे हुए हैं, और यहां तक कि संक्रमित लोगों का इलाज करने वाले डॉक्टर और नर्स भी संक्रमित हो रहे हैं। इस बीच उद्योग, वाणिज्य और आपूर्ति मंत्रालय ने तीन जिलों सहित नौ सर्वाधिक प्रभावित जिलों में लगाए गए निषेधात्मक आदेशों को ध्यान में रखते हुए देश भर में आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति को आसान बनाने के लिए एक रैपिड रिस्पॉन्स टीम (आरआरटी) का भी गठन किया है।

कोरोना से जीत की तैयारी कितनी पुख्ता?

उपेन्द्र राय

भारत जैसे विशाल जनसमूह वाले देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर कालचक्र के उस द्वार के रूप में प्रतिस्थापित है, जिसे विनाश के आगमन में प्रतीक्षारत माना जा रहा है।

भयावह स्थिति, प्रतिदिन किसी अपने को खोने का डर, परिवार के प्रति चिंता और परिस्थितिजन्य दबाव, हर व्यक्ति इसका अनुभव कर रहा है। भय की स्थिति के बावजूद इस काल में विचारों की सरिता दोषारोपण की बाढ़ लेकर बह रही है। ऐसे में इस दौर में प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि, प्राणघातक विषाणु के कारण बनी स्थिति के लिए दोषी कौन है या किसने अपनी जिम्मेदारी से मुंह फेरा? खुद से प्रश्न पूछा जाना चाहिए कि कोरोना महामारी से भविष्य में युद्ध लड़ने के लिए हम कितने तैयार हैं? हड़कंप भरे इस माहौल में प्रश्नों की सुनामी आई है, मगर ऊंची लहरों के उत्तर जिज्ञासा को शांत कर सकते हैं, इसलिए इन्हें तलाशने की कोशिश करते हैं।

> अब हालात विस्फोटक हैं, लेकिन बहुत ज्यादा देर नहीं हुई। महामारी के खिलाफ जंग के परिणाम हर सरकार अपने पक्ष में पलट सकती है। शर्त है कि ठोस रणनीति बनाकर उसे सख्ती से अमल में लाएं। हालांकि कोरोना से कराह रहे महाराष्ट्र और दिल्ली में लॉकडाउन लगाकर संक्रमण की चेन तोड़ने की कोशिश तो की गई है, लेकिम इस बार ज्यादा ढ़ील दी गई है। लॉकडाउन में बाजार बंद है, मास्क न लगाने पर जुर्माना भी है, लेकिन घर से बाहर निकलने वालों पर सख्ती नहीं है।

पहला सवाल यह है कि कोरोना के विरुद्ध युद्ध जीतने के लिए हम कितने तैयार हैं? कोरोना महामारी के जिस कालखंड में मानवता के ऊपर संकट मंडरा रहा है, वहां चरमराई व्यवस्था के दृश्य प्रतिदिन विनाश की समीपता का बोध करा रहे हैं, लेकिन यह पूर्ण सत्य नहीं है। ऑक्सीजन की कमी, अस्पतालों में बिस्तरों का अभाव, रेमडेसिविर दवा की किल्लत, श्मशान में जलती चिताओं का रेला, शवों का अपमान देखकर जिस खीज से मन भर रहा है, वह सत्य होते हुए भी अधूरा है। केंद्र सरकार ने हर व्यवस्था का ब्लूप्रिंट बनाया है, राज्य सरकारों को केंद्र के बनाए नियमों का पालन करना है, लेकिन राज्य सरकारों ने नीति के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उस प्रशासनिक अमले को सौंप दी, जिसके बूते कभी कोई व्यवस्था दुरु स्त नहीं हुई, और कुछ बेहतर होने की उम्मीद भी बेमानी है। यही वजह है कि आखिरकार प्रधानमंत्री मोदी को ही व्यवस्था की बागडोर हाथ में थामनी पड़ी, और धीरे-धीरे गाड़ी पटरी पर लौटती दिख रही है। रही बात जंग को जीतने की, तो संसाधनों का तेजी से विकास, सीमित उत्पादन को गति देना, विश्व को मानवता की परिपाटी सिखाने और मित्रतापूर्ण संबंधों से दिल जीतने के बाद आशा अनुरूप मदद भी मिल रही है, जो इस युद्ध में जीत के सकारात्मक संकेत हैं यानी सरकार के स्तर पर तैयारी पूरी है, सिर्फ तैयार नहीं है तो नकारात्मक ऊर्जा से भरे लोग। जिस दिन देश की जनता अपने-अपने स्तर पर विषाणु के खिलाफ खड़ी होगी, उसी दिन महामारी पर जीत तय हो जाएगी।

सवाल यह भी है कि क्या कोरोना महामारी की इस विध्वंसक स्थिति के लिए सिर्फ केंद्र जिम्मेदार है? सवाल इसलिए उठा कि कोरोना महामारी की पहली लहर में जब केंद्र ने अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता के दूसरे सोपान पर रखकर कठोर निर्णय लिए, तब कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा नवम्बर, 2020 से ढलान की ओर गया। हालात पर नियंत्रण पाने के बाद केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को अपने-अपने स्तर पर व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी सौंपी और केंद्र भविष्य की योजनाओं पर काम करने लगा, जिसमें न केवल देश के नागरिकों, बल्कि विश्व के जन सामान्य के जीवन की संपूर्ण सुरक्षा के लिए वैक्सीन से जुड़ी तैयारी थी, गर्त में पहुंची अर्थव्यवस्था को भी उन्नति के शिखर तक ले जाने की योजना थी। यह व्यवस्था एक रणनीति के तहत हुई थी, लेकिन राज्य सरकारों ने इस दौरान भविष्य के संकट को अनदेखा किया और जब दूसरी लहर में पानी सिर के ऊपर चला गया, तब सारी जिम्मेदारी केंद्र पर डाल दी। यही कारण है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार को फटकार लगाते हुए यही टिप्पणी की, कि 'केंद्र को जिम्मेदार ठहरा कर राज्य सरकार अपना पल्ला नहीं झाड़ सकती।' अदालत की टिप्पणी हर राज्य पर लागू होती है फिर चाहे वहां सरकार किसी भी पार्टी की क्यों न हो। अब सवाल है कि, अगर इन हालात के लिए राज्य सरकारें भी जिम्मेदार हैं तो वे क्या कर सकती थीं? जब पहली लहर में ही व्यवस्था चरमराने की आशंका थी, तो राज्य सरकारों को अपने स्तर पर राज्य की जनसंख्या के आधार पर स्थायी या वैकल्पिक व्यवस्था बनानी चाहिए थी। जब संक्रमण की दर कम हुई, तभी राज्यों को स्वास्थ्य सुविधा बेहतर बनाने में ताकत झोंकनी चाहिए थी। मगर दुखद पहलू यह है कि किसी भी राज्य सरकार ने कोरोना काल में मिली राहत का उपयोग स्वास्थ्य सेवा सुदृढ़ करने में नहीं किया। यहां तक कि कोविड मरीजों से भरे जो अस्पताल खाली हुए उनके कोविड सेंटर बंद कर दिए गए। यही गलती उन पर भारी पड़ी।

अब हालात विस्फोटक हैं, लेकिन बहुत ज्यादा देर नहीं हुई। कोरोना महामारी के खिलाफ जंग के परिणाम हर सरकार अपने पक्ष में पलट सकती है। शर्त यह है कि ठोस रणनीति बनाकर उसे सख्ती से अमल में लाना होगा। हालांकि कोरोना से कराह रहे महाराष्ट्र और दिल्ली में लॉकडाउन लगाकर संक्रमण की चेन तोड़ने की कोशिश तो की गई है, लेकिन इस बार सख्ती से ज्यादा ढील दी गई है। लॉकडाउन में बाजार बंद हैं, मास्क न लगाने पर जुर्माना भी है, लेकिन घर से बाहर निकलने वालों पर सख्ती नहीं है। अब प्रश्न अंतरआत्मा से पूछिए कि बिगड़े हालात का दोषी कौन है, केंद्र सरकार या राज्य सरकारें? सवाल यह भी है कि, देश में ऑक्सीजन की सप्लाई में परेशानी क्यों है, जबकि ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार के पास है? इसका जवाब कुछ राज्य सरकारों की वह चूक है, जिसमें दूरदृष्टि का अभाव था। कोरोना काल से पहले देश में ऑक्सीजन उत्पादन की प्रतिदिन क्षमता 6,500 मीट्रिक टन थी, जिसे 10 प्रतिशत बढ़ाकर 7,200 मीट्रिक टन कर दिया गया था। इससे उन राज्यों की दिक्कत तो खत्म हो गई, जो ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं, लेकिन उन राज्यों की बढ़ गई, जहां ऑक्सीजन का कोई प्लांट नहीं है। दिल्ली को ले लीजिए। दिल्ली सरकार को ऑक्सीजन की बढ़ती खपत से भविष्य की स्थिति का अनुमान लगा लेना चाहिए था, भले ही ऑक्सीजन प्लांट न लगाए, लेकिन टैंकर की व्यवस्था करके रखनी चाहिए थी, इन टैंकरों के जरिए सरप्लस ऑक्सीजन वाले उत्पादक राज्यों से सप्लाई की जा सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। और जब हालात बेकाबू हुए तो राज्यों ने केंद्र सरकार से गुहार लगाई जिसके बाद उसने मोर्चा संभाला।

हालात पूरी तरह सामान्य बनाने में अभी कई और चुनौतियां हैं। पहली चुनौती है आम लोगों की लापरवाही पर अंकुश। अब दूसरी चुनौतियों को समझिए:-बेहतर इलाज के संसाधनों को जुटाना, अस्पतालों का बड़ी संख्या में निर्माण और विकास, ज्यादा से ज्यादा डॉक्टरों को कोरोना महामारी के इलाज के लिए तैयार करना, औद्योगिक घरानों को कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी के लिए बाध्य करना, रोजगार की तलाश में प्रवास करने वालों के लिए अपने ही राज्य में रोजगार की व्यवस्था कराना और वैक्सीनेशन के अभियान को गति देना। तय है कि इन चुनौतियां का सामना करना कुछ बेहतर सीख भी देगा। सवाल यह भी है कि वर्तमान स्थिति में देश की मांग क्या है? इसका जवाब अतीत में बनाए गए व्यवस्था तंत्र में छिपा है। लापरवाही का सबसे बड़ा कारण है कमजोर शिक्षा व्यवस्था। आज भी हम व्यावहारिक ज्ञान को कम महत्व देते हैं। नतीजा है कि माध्यमिक शालाओं में भूगोल और विज्ञान की खोज होती है और उच्चतर शालाओं में इतिहास की जानकारी। बेहतर शिक्षा व्यवस्था उसे ही कहा जा सकता है, जिसमें नर्सरी के ही स्तर पर व्यावहारिक ज्ञान को मजबूती मिले। उनकी रुचि को पहचान कर उन्हें भविष्य के लिए तैयार किया जाए। ऐसा होता तो कोरोना काल में नर्सगि और मेडिकल स्टूडेंट्स भी पूरी क्षमता से सेवा दे सकते थे क्योंकि इनमें व्यावसायिकता के भाव से ज्यादा सेवा की भावना होती। महामारी के डर से ज्यादा संक्रमितों का डर दूर करने की क्षमता होती। आपको जानकर हैरानी होगी कि आपदा की इस घड़ी में नर्सगि और मेडिकल स्टूडेंट की सेवा न लेने का कारण सिर्फ अनुभव का न होना है। काश, हमने शुरुआत में ही इन छात्रों में सेवा की ऐसी भावना भरी होती तो प्रतिभा संपन्न देश में आज हालात इतने विकट नहीं होते।

वैश्विकी

कोरोना और विदेश संबंध

डॉ. दिलीप चौबे

भारत आज दो मोर्चों पर लड़ रहा है। एक मोर्चा कोरोना महामारी की दूसरी लहर का है तो दूसरा मोर्चा सुनियोजित अंतरराष्ट्रीय दुष्प्रचार का है।

संकट के इस दौर में अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने एक ओर भारत को चिकित्सा सहायता देने की पहल की है तो वहीं इन देशों की मीडिया ने असंवेदनशीलता का परिचय देते हुए भारत का मनोबल तोड़ने की कोशिश की है। केंद्र और राज्य सरकारों सहित कोई भी महामारी की दूसरी लहर का पुर्वानुमान लगाने और इसका सामना करने के लिए पहले से तैयारी में की गई लापरवाही से इनकार नहीं किया जा सकता। राजनीतिक नेतृत्व ही नहीं बल्कि चिकित्सा वैज्ञानिक भी कोरोना वायरस की टेढ़ी चाल को समझने में असफल सिद्ध हुए। यह बात केवल भारत पर ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया पर लागू होती है। पिछले वर्ष ही अमेरिका के प्रमुख चिकित्सा वैज्ञानिक एंटोनी काउची ने बयान दिया था कि 'महमारी कब खत्म होगी यह वायरस तय करेगा'। इस बयान में चिकित्सा वैज्ञानिक की बेबसी नजर आती है। इस अनिश्चितता के बावजूद सरकारों की यह जिम्मेदारी तो बनती थी कि वे कुछ महीनों के लिए मिली राहत के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को चाक-चौबंद करते।

इस अभूतपूर्व संकट में भी वैक्सीन निर्माता देश मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति से उबर नहीं पाए। अमेरिका और पश्चिमी देशों की वैक्सीन पर बौद्धिक संपदा कानून लागू है जिसके कारण भारत सहित अन्य देशों में बड़े पैमाने पर इनका उत्पादन नहीं हो सकता। विश्व व्यापार संगठन में भारत और दक्षिण अफ्रीका ने यह अपील की है कि पेटेंट के नियमों में कुछ समय के लिए ढिलाई दी जाए ताकि पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन का उत्पादन हो सके। महामारी के दौर में भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विभिन्न देशों का शक्ति परीक्षण जारी है। बड़े देश आपसी संघर्ष को भूलाकर सहयोग करने के लिए तैयार नहीं हैं। भारत के लिए यह बड़ा संदेश है। कोविड महामारी से उबरने के बाद भारत को अपनी विदेश नीति में आवश्यक बदलाव करने होंगे।

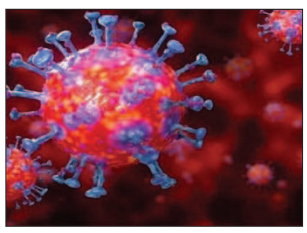

भारत को मिल रहे अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहायता में सबसे उल्लेखनीय बात चीन की राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को लिखा गया संवेदना और एकजुटता का पत्र है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने एस. जयशंकर से टेलीफोन वार्ता कर चीन से भारत को चिकित्सा उपकरण और सामग्री की आपूर्ति को सुगम बनाने का आश्वासन दिया है। चीन की इस पेशकश का सांकेतिक महत्व ही है। पूर्वी लद्दाख में सैनिकों को पीछे हटाने का काम अधिकतर स्थानों पर अभी होना बाकी है। चीन की ओर से मदद देने की पेशकश उसकी इसी नीति पर आधारित है कि सीमा विवाद को किनारे रख अन्य क्षेत्रों में कामकाज को सामान्य बनाया जाए। भारत चीन की इस नीति से सहमत नहीं है। आने वाले दिनों में यह पता लगेगा कि चीन संबंधों को सामान्य बनाते के प्रति कितना गंभीर है। यह एक वास्तविकता है कि भारत को यदि अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना है तो उसमें चीन की भी एक भूमिका होगी। दोनों देश तात्कालिक और दूरगामी दृष्टियों से परस्पर आर्थिक निर्भरता के तथ्य को नकार नहीं सकते।

भारत को अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहायता के क्षेत्र में अमेरिका तथा रूस के बीच प्रतिस्पर्धा देखने को मिला। वैक्सीन के कच्चे माल के निर्यात पर अमेरिका की रोक को लेकर भारत में गहरी चिंता व्यक्त की गई। अमेरिकी रोक के विरुद्ध भारत में बने जनमत से अमेरिकी प्रशासन घबरा गया और आनन-फानन में उसने सहायता करने के अनेक कदम उठाए। सरकार के स्तर पर जहां ऐसा हो रहा था वहीं अमेरिका और पश्चिमी देशों की मीडिया में भारतीय नगरों में जलती हुई चिताओं की तस्वीरें छप रहीं थी। ऐसा माहौल बनाया गया मानो रोम जल रहा है और नीरो बांसुरी बजा रहा है। पूरे घटनाक्रम से साफ था कि पश्चिमी मीडिया की मंशा भारत के साथ एकजुटता प्रदर्शित करना नहीं बल्कि संकट को और गहरा बनाने की है। रूस की सरकार और मीडिया की भूमिका सबसे प्रशंसनीय रही। रूस की मीडिया ने भारत के संकट के समाचार दिए, लेकिन न तो उन्हें अतिरंजित किया न ही राजनीतिक नेतृत्व पर हमला बोला। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से टेलीफोन पर बातचीत की। रूस में निर्मित स्पुतनिक वैक्सीन का भारत में आने का सिलसिला शुरू हो गया है। रूस भारत का सबसे भरोसेमंद दोस्त है यह बात एक बार और प्रमाणित हो गई।

यादें

कुछ लोग एक रोज जो बिछड़ जाते हैं...

आलोक पराड़कर

कोरोना काल में मृत्यु की खबरें चारों ओर से आ रही हैं। इनमें बड़ी संख्या में कलाकारों, लेखकों, पत्रकारों, संस्कृति प्रेमियों के बिछड़ने का सिलसिला भी है।

यह सिलसिला कुछ ऐसा है कि हम अभी किसी एक के निधन की पीड़ा से गुजर ही रहे होते हैं कि कोई दूसरी खबर आकर हमें और दुखी कर देती है। कह सकते हैं कि यह क्रम किसी के बारे में ठहरकर कुछ सोचने, लिख पाने का अवसर भी नहीं दे रहा है। यह भी एक बेबसी है कि कोविड के कारण ऐसे लोगों से उनकी बीमारी के दौर में मिलने, बात करना भी संभव नहीं है, अंतिम मुलाकात भी मयस्सर नहीं है। हाल के दिनों में बहुत सारे ऐसे लोग बिछड़ गए, जिनसे काफी निकटता थी और जिनकी ढेर सारी यादें हैं।

राजन-साजन मिश्र से निकटता की एक वजह बनारस भी रहा। मिश्र बंधु के व्यक्तित्व की भी एक गहरी छाप मेरे हृदय पर अंकित है। दोनों ही भाइयों के चेहरे पर इत्मीनान, सुकून और ताजगी हमेशा से रही है, लेकिन उनमें हास्य-व्यंग्य की भी जो अद्भुत क्षमता है, ये उनके करीबी लोग ही जानते हैं। राजन मिश्र की हंसी भी कभी भुलाई नहीं जा सकती। हालांकि उनसे अक्सर बातें होती थीं, लेकिन मृत्यु से थोड़े समय पहले ही उनका एक साक्षात्कार भी करने का अवसर मिला था, प्रसिद्ध सितार वादक पंडित रविशंकर के सिलसिले में। यह बातचीत संगीत नाटक अकादमी की त्रैमासिक पत्रिका 'संगना' के पंडित रविशंकर विशेषांक के लिए थी। राजन मिश्र ने एक मजेदार बात बताई। उन्होंने बताया कि रविशंकर जब दिल्ली में होते तो दोनों भाइयों को घर बुला लेते। फिर नाश्ता करने के बाद एक कमरे में बैठक होती। इस बैठक में पंडित रविशंकर होते, सुकन्या जी और राजन-साजन मिश्र होते। रविशंकर उनसे कहते कि अब ये बताओ मार्केट में नया क्या है? रविशंकर जी का आशय चुटकुलों से होता। फिर चुटकुलों का दौर चलता और खूब ठहाके लगते। ऐसी बैठकें तब खूब होती थीं जब रविशंकर राज्य सभा के सांसद थे।

रविशंकर की वरिष्ठ शिष्या कृष्णा चक्रवर्ती का भी पिछले दिनों निधन हो गया। वे बनारस में रहती थीं। कृष्णा जी ने एक बार बताया था कि पंडित रविशंकर जी से सीखने के दौरान जब कई वर्ष निकल गए तो एक बार उनके सामने बजाते हुए वह बहुत उदास होकर बैठ गई। रविशंकर समझ गए, उन्होंने पूछा कि क्या बात हुई है, घर में कोई झगड़ा हुआ है क्या? कृष्णा जी ने कहा कि हम आपसे एक बात पूछना चाहते हैं। आप जब सितार छेड़ते हैं, विलायत खान छेड़ते हैं या फिर निखिल दा तो माहौल बन जाता है, एक स्ट्रोक लगाते ही मुंह से निकलता है, वाह क्या बात है, लेकिन यह चीज हमको अपने बजाने में क्यों नहीं दिखती है? कृष्णा चक्रवर्ती के इस सवाल पर पंडित रविशंकर हंसने लगे, बोले कि तुमने ऐसी बड़ी बात पूछ ली है, हम क्या जवाब दें? कृष्णा जी अड़ी रहीं कि नहीं हमें जवाब दीजिए, क्या मुझमें प्रतिभा नहीं है? हम सितार पर बहुत तैयारी के साथ बजा लें, लेकिन उसका क्या फायदा जब सितार श्रोताओं के दिल को छू न सके? रविशंकर बोले कि तुम इतना पूछ रही हो तो हम यह जरूर कहेंगे कि बजाते-बजाते एक दिन ऐसा जरूर आएगा, जब तुम्हारे सितार में भी यह बात हो सकेगी। कृष्णा जी ने बताया था कि फिर साल बीतते गए। एक दिन वह अभ्यास कर रही थीं। रविशंकर जी कहीं दूर से सितार सुन रहे थे, वे दौड़ते हुए आए और बोले कि तुम सितार छोड़ने की बात कर रही थी ना, देखो वह बात तुम्हारे हाथ में आ गई है! अगर तुम्हें विश्वास न हो रहा हो तो किसी कार्यक्रम में बजाना, देखना लोग खुद कहेंगे।

तीस वर्षों की सांस्कृतिक पत्रकारिता में बहुत सारे अधिकारियों से निकट का संपर्क रहा। कई अधिकारी पुलिस और प्रशासन की सेवा में हैं। उनमें से कुछ अब सेवानिवृत्त भी हो गए। निकटता प्राय: उन्हीं से हो पाती जिनको साहित्य-संगीत का शौक होता। कोरोना के कारण पिछले दिनों दिवंगत हुए योगेन्द्र प्रताप सिंह संस्कृति विभाग के उन अधिकारियों में थे, जिन्होंने सिर्फ नौकरी नहीं की बल्कि उनमें कला और कलाकारों के लिए हमेशा कुछ-न-कुछ बेहतर करने की दृढ़ इच्छाशक्ति थी। लोककला और उसके कलाकारों को प्रोत्साहित करने में उनकी विशिष्ट भूमिका रही। रामलीला के संरक्षण में और विश्व भर में फैले इसके विविध रूपों को संरक्षित करने के उनके प्रयासों को भी विशेष तौर पर याद किया जाना चाहिए। बद्री विशाल बनारस के उन पत्रकारों में थे, जिनकी व्यक्तिगत तौर पर मेरे निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही। वास्तव में ये वे ही थे, जिन्होंने मुझे सांस्कृतिक-साहित्यिक पत्रकारिता की राह दिखाई। 'आज' के मेरे शुरुआती दिनों में उन्होंने मुझे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के युवा महोत्सव के समाचार संकलन में लगा दिया था। वास्तव में वे विश्वविद्यालय की खबरें करते थे और चाहते थे कि महोत्सव की अच्छी खबर समाचार पत्र में आए। बद्री जी बनारसी रंग ढंग में रंगे थे। नोएडा आए 'सहारा' में लेकिन फिर बनारस लौट आए।

हिंदू धर्म के बाद किस धर्म की उत्पत्ति हुई?

वैसे हिंदू धर्म के बाद बहुत से प्राचीन धर्मों का उल्लेख किया जा सकता है, जैसे पेगन, वूडू आदि लेकिन हिंदू-जैन के बाद यहूदी धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म था जिसने धर्म को एक नहीं व्यवस्था में ढाला और उसे एक नई दिशा और संस्कृति दी। हजरत आदम से लेकर अब्राहम और अब्राहम से लेकर मूसा तक की परंपरा यहूदी धर्म का हिस्सा है। यह सभी कहीं न कहीं हिंदू धर्म की परंपरा से जुड़े थे। ऐसा माना जाता है कि राजा मनु को ही यहूदी लोग हज. नूह कहते थे। दुनिया के सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है यहूदी धर्म। लगभग 4000 साल पुराना यह धर्म वर्तमान में इसराइल का राजधर्म है। यहूदी धर्म की शुरुआत पैगंबर हजरत इब्राहिम (अबराहम या अब्राहम) से मानी जाती है, जो ईसा से 2000 वर्ष पूर्व हुए थे। हज.इब्राहिम के बाद यहूदी इतिहास में सबसे बड़ा नाम 'पैगंबर मूसा' का है। हजरत मूसा ही यहूदी जाति के प्रमुख व्यवस्थाकार हैं। ह.मूसा को ही पहले से चली आ रही एक परंपरा को स्थापित करने के कारण यहूदी धर्म का संस्थापक माना जाता है। हज.मूसा के बाद यहूदियों को विश्वास है कि कयामत के समय हमारा अगला पैगंबर आएगा। मूसा मिस्र के फराओ के जमाने में हुए थे। दुनिया के प्राचीन धर्मों में से एक यहूदी धर्म से ही ईसाई और इस्लाम धर्म की उत्पत्ति हुई है। इस्लाम की एक ईश्वर की परिकल्पना, खतना, बुतपरस्ती का विरोध, नमाज, हज, रोजा, जकात, सूदखोरी का विरोध, कयामत, कोशर (हराम-हलाल), पवित्र दिन (सब्बाब), उम्माह जैसी सभी बातें यहूदी धर्म से ली गई हैं। पवित्र पवित्र भूमि, धार्मिक ग्रंथ, अंजील, हदीस और ताल्मुद की कल्पना एक ही है। ईसाई और इस्लाम में आदम, हव्वा, इब्राहीम, नूह, दावूद, इसाक, इस्माइल, इल्यास, सोलोमन आदि सभी ऐतिहासिक और महान लोग यहूदी परंपरा से ही है। हजरत अब्राहम को यहूदी, मुसलमान और ईसाई तीनों धर्मों के लोग अपना पितामह मानते हैं। आदम से अब्राहम और अब्राहम से मूसा तक यहूदी, ईसाई और इस्लाम सभी के पैगंबर एक ही है किंतु मूसा के बाद यहूदियों को अपने अगले पैगंबर के आने का अब भी इंतजार है।

आखिर क्या फायदा होगा नैवेद्य अर्पित कर उसे खाने से?

- मन और मस्तिष्क को स्वच्छ, निर्मल और सकारात्मक बनाने के लिए हिन्दू धर्म में कई रीति-रिवाज, परंपरा और उपाय निर्मित किए गए हैं। सकारात्मक भाव से मन शांतचित्त रहता है। शांतचित्त मन से ही व्यक्ति के जीवन के संताप और दुख मिटते हैं।
- जब किसी अन्न को भगवान को समर्पित कर दिया जाता है तो उसमें दिव्यता समाहित हो जाती है। वह और भी पवित्र और गुण वाला बन जाता है, जो हमारे शरीर को पुष्ट करता है। गिलास भर पानी पीने से कहीं अच्चा चरणामृत होता है जो हृदय को सेहतमंद बनाता है।
- लगातार प्रसाद वितरण करते रहने के कारण लोगों के मन में भी आपके प्रति अच्छे भावों का विकास होता है। इससे किसी के भी मन में आपके प्रति राग-द्वेष नहीं पनपता और आपके मन में भी उसके प्रति प्रेम रहता है।
- लगातार भगवान से जुड़े रहने से चित्त की दशा और दिशा बदल जाती है। इससे दिव्यता का अनुभव होता है और जीवन के संकटों में आत्मबल प्राप्त होता है। देवी और देवता भी संकटों के समय साथ खड़े रहते हैं।
- भजन, कीर्तन, नैवेद्य आदि धार्मिक कर्म करने से जहां भगवान के प्रति आस्था बढ़ती है वहीं शांति और सकारात्मक भाव का अनुभव होता रहता है। इससे इस जीवन के बाद भगवान के उस धाम में भगवान की सेवा की प्राप्ति होती है और अगला जीवन और भी अच्छे से शांति व समृद्धिपूर्वक व्यतीत होता है।
- श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार अंत में हमें उन्हीं देवी-देवताओं के स्वर्ग, इत्यादि धामों में वास मिलता है जिसकी हम आराधना करते रहते हैं।
- श्रीमद् भगवद् गीता में भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुन के माध्यम से हमें यह भी बताते हैं कि देवी-देवताओं के धाम जाने के बाद फिर पुनर्जन्म होता है अर्थात देवी-देवताओं का भजन करने से, उनका प्रसाद खाने से व उनके धाम तक पहुंचने पर भी जन्म-मृत्यु का चक्र खत्म नहीं होता है। (श्रीगीता 8/16)।

कितने प्रकार के होते हैं भूत

हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। उक्त सभी के उप भाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। इसी तरह जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसूता, स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंवारी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। इनसभी की उत्पति अपने पापों, व्याभिचार से, अकाल मृत्यु से या श्राद्ध न होने से होती है।

पुरुषों का भूत - हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया गया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। सभी को यम के अधीन रहना होता है। आर्यमा नामक देवता को पितरों का अधिपति कहा गया है, जो चंद्रमंडल में रहते हैं। उक्त सभी के उपभाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है, तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। प्रेत योनि में जाने वाले लोग अदृश्य और बलवान हो जाते हैं। सभी मरने वाले इसी योनि में नहीं जाते और सभी मरने वाले अदृश्य तो होते हैं, लेकिन बलवान नहीं होते। यह आत्मा के कर्म और गति पर निर्भर करता है। बहुत से भूत या प्रेत योनि में न जाकर पुन: गर्भधारण कर मानव बन जाते हैं। पितृ पक्ष में हिन्दू अपने पितरों का तर्पण करते हैं। इससे सिद्ध होता है कि पितरों का अस्तित्व आत्मा अथवा भूत-प्रेत के रूप में होता है। गरूड़ पुराण में भूत-प्रेतों के विषय में विस्तृत वर्णन मिलता है। श्रीमद्भागवत पुराण में भी धुंधकारी के प्रेत बन जाने का वर्णन आता है।

स्त्री का भूत - हालांकि स्त्री और पुरुष एक शरीरिक विभाजन है तथा आत्मिक तौर पर कोई स्त्री और पुरुष नहीं होता। लेकिन जिसके चित्त की दशा जैसी होती है उसे वैसी योनि प्राप्त होती है। यदि कोई आत्मा स्त्री बनकर रही है तो वह खुद को अनंतकाल तक स्त्री ही महसूस करते हुए अन्य योनियां धारण करेगी। खैर! जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसूता स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंआरी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। जो स्त्री बुरे कर्मों वाली है उसे डायन या डाकिनी कहते हैं। इन सभी की उत्पत्ति अपने पापों, व्यभिचार, अकाल मृत्यु या श्राद्ध न होने से होती है।

प्रेतबाधा : भूतादि से पीड़ित व्यक्ति की पहचान उसके स्वभाव एवं क्रिया में आए बदलाव से की जाती है। अलग-अलग स्वभाव में परिवर्तन के अनुसार जाना जाता है कि व्यक्ति कौन से भूत से पीड़ित है।

भूत पीड़ा : यदि किसी व्यक्ति को भूत लग गया है, तो वह पागल की तरह बात करने लगता है। मूढ़ होने पर भी वह किसी बुद्धिमान पुरुष जैसा व्यवहार भी करता है। गुस्सा आने पर वह कई व्यक्तियों को एक साथ पछाड़ सकता है। उसकी आंखें लाल हो जाती हैं और देह में सदा कंपन बना रहता है।

पिशाच पीड़ा : पिशाच प्रभावित व्यक्ति सदा खराब कर्म करना है, जैसे नग्न हो जाना, नाली का पानी पीना, दूषित भोजन करना, कटु वचन कहना आदि। वह सदा गंदा रहता है और उसकी देह से बदबू आती है। वह एकांत चाहता है। इससे वह कमजोर होता जाता है।

प्रेत पीड़ा : प्रेत से पीड़ित व्यक्ति चिल्लाता और इधर-उधर भागता रहता है। वह किसी का कहना नहीं सुनता। वह हर समय बुरा बोलता रहता है। वह खाता-पीता नहीं हैं और जोर-जोर से श्वास लेता रहता है।

शाकिनी पीड़ा : शाकिनी से ज्यादातर महिलाएं ही पीड़ित रहती हैं। ऐसी महिला को पूरे बदन में दर्द बना रहता है और उसकी आंखों में भी दर्द रहता है। वह अक्सर बेहोश भी हो जाती है। कांपते रहना, रोना और चिल्लाना उसकी आदत बन जाती है।

चुड़ैल पीड़ा : चुड़ैल भी ज्यादातर किसी महिला को ही लगती है। ऐसी महिला यदि शाकाहारी भी है तो मांस खाने लग जाएगी। वह कम बोलती, लेकिन मुस्कुराती रहती है। ऐसी महिला कब क्या कर देगी? कोई भरोसा नहीं।

यक्ष पीड़ा : यक्ष से पीड़ित व्यक्ति लाल रंग में रुचि लेने लगता है। उसकी आवाज धीमी और चाल तेज हो जाती है। वह ज्यादातर आंखों से इशारे करता रहता है। इसकी आंखें तांबे जैसी और गोल दिखने लगती हैं।

ब्रह्मराक्षस पीड़ा : जब किसी व्यक्ति को ब्रह्मराक्षस लग जाता है, तो ऐसा व्यक्ति बहुत ही शक्तिशाली बन जाता है। वह हमेशा खामोश रहकर अनुशासन में जीवन-यापन करता है। इसे ही 'जिन्न' कहते हैं। ये बहुत सारा खाना खाते हैं और घंटों तक एक जैसी ही अवस्था में बैठे या खड़े रहते हैं। जिन्न से ग्रस्त व्यक्ति का जीवन सामान्य होता है। ये घर के किसी सदस्य को परेशान भी नहीं करते हैं, बस अपनी ही मस्ती में मस्त रहते हैं। जिन्नों को किसी के शरीर से निकालना अत्यंत ही कठिन होता है।

इस तरह से और भी कई तरह के भूत होते हैं जिनके अलग-अलग लक्षण और लक्ष्य होते हैं। उपरोक्त जानकारी शास्त्रों के आधार है।

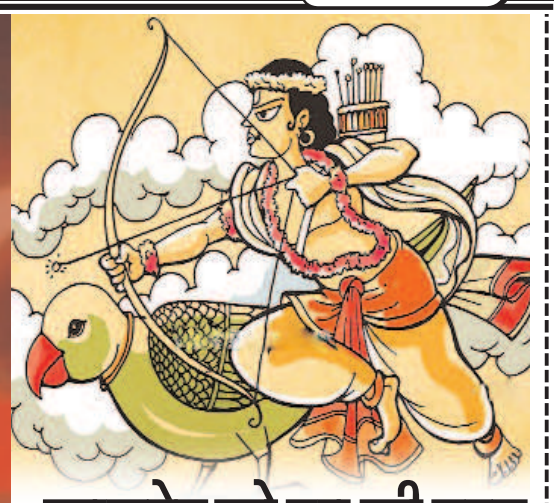

कामदेव को पुत्र की तरह पालने के बाद रति ने उनसे कर लिया विवाह

जिस तरह पश्चिमी देशों में क्यूपिड और यूनानी देशों में इरोस को प्रेम का प्रतीक माना जाता है, उसी तरह हिन्दू धर्मग्रंथों में कामदेव को प्रेम और आकर्षण का देवता कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार कामदेव भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी के पुत्र हैं। उनका विवाह रति नाम की देवी से हुआ था, जो प्रेम और आकर्षण की देवी मानी जाती है। कुछ कथाओं में यह भी उल्लिखित है कि कामदेव स्वयं ब्रह्माजी के पुत्र हैं और इनका संबंध भगवान शिव से भी है। कुछ जगह पर धर्म की पत्नी श्रद्धा से इनका आविर्भाव हुआ माना जाता है। जोभी हो हम एक रोचक पौराणिक कथा पढ़ते हैं। कामदेव को सुनहरे पंखों से युक्त एक सुंदर नवयुवक की तरह प्रदर्शित किया गया है जिनके हाथ में धनुष और बाण हैं। ये तोते के रथ पर मकर (एक प्रकार की मछली) के चिह्न से अंकित लाल ध्वजा लगाकर विचरण करते हैं। वैसे कुछ शास्त्रों में हाथी पर बैठे हुए भी बताया गया है। वसंत ऋतु के देवता कामदेव की पूजा वसंत पंचमी की जाती है। उनके कई नाम है जिममें से मदन की प्रसिद्ध है। असम में है उनका खास मंदिर। मदन-कामदेव मंदिर को 'असम का खजुराहो' के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर घने जंगलों के भीतर पेड़ों से छुपा हुआ है। कहते हैं कि भगवान शंकर द्वारा तृतीय नेत्र खोलने पर भस्म हो गए कामदेव का इस स्थान पर पुनर्जन्म तथा उनकी पत्नी रति के साथ पुन: मिलन हुआ था।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक समय ब्रह्माजी प्रजा वृद्धि की कामना से ध्यानमग्न थे। उसी समय उनके अंश से तेजस्वी पुत्र काम उत्पन्न हुआ और कहने लगा कि मेरे लिए क्या आज्ञा है? तब ब्रह्माजी बोले कि मैंने सृष्टि उत्पन्न करने के लिए प्रजापतियों को उत्पन्न किया था किंतु वे सृष्टि रचना में समर्थ नहीं हुए इसलिए मैं तुम्हें इस कार्य की आज्ञा देता हूं। यह सुन कामदेव वहां से विदा होकर अदृश्य हो गए। यह देख ब्रह्माजी क्रोधित हुए और शाप दे दिया कि तुमने मेरा वचन नहीं माना इसलिए तुम्हारा जल्दी ही नाश हो जाएगा। शाप सुनकर कामदेव भयभीत हो गए और हाथ जोड़कर ब्रह्माजी के समक्ष क्षमा मांगने लगे। कामदेव की अनुनय-विनय से ब्रह्माजी प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि मैं तुम्हें रहने के लिए 12 स्थान देता हूं- स्त्रियों के कटाक्ष, केश राशि, जंघा, वक्ष, नाभि, जंघमूल, अधर, कोयल की कूक, चांदनी, वर्षाकाल, चैत्र और वैशाख महीना। इस प्रकार कहकर ब्रह्माजी ने कामदेव को पुष्प का धनुष और 5 बाण देकर विदा कर दिया।

इन पांच बाणों के नाम हैं- 1.मारण, 2.स्तम्भन, 3.जृम्भन, 4.शोषण, 5.उम्मादन (मन्मन्थ)। उनका धनुष मिठास से भरे गन्ने का बना होता है जिसमें मधुमक्खियों के शहद की रस्सी लगी है। उनके धनुष का बाण अशोक के पेड़ के महकते फूलों के अलावा सफेद, नीले कमल, चमेली और आम के पेड़ पर लगने वाले फूलों से बने होते हैं। ब्रह्माजी से मिले वरदान की सहायता से कामदेव तीनों लोकों में भ्रमण करने लगे और भूत, पिशाच, गंधर्व, यक्ष सभी को काम ने अपने वशीभूत कर लिया। फिर मछली का ध्वज लगाकर कामदेव अपनी पत्नी रति के साथ संसार के सभी प्राणियों को अपने वशीभूत करने बढ़े। इसी क्रम में वे शिवजी के पास पहुंचे। भगवान शिव तब तपस्या में लीन थे तभी कामदेव छोटे से जंतु का सूक्ष्म रूप लेकर कर्ण के छिद्र से भगवान शिव के शरीर में प्रवेश कर गए। इससे शिवजी का मन चंचल हो गया। उन्होंने विचार धारण कर चित्त में देखा कि कामदेव उनके शरीर में स्थित है। इतने में ही इच्छा शरीर धारण करने वाले कामदेव भगवान शिव के शरीर से बाहर आ गए और आम के एक वृक्ष के नीचे जाकर खड़े हो गए। फिर उन्होंने शिवजी पर मोहन नामक बाण छोड़ा, जो शिवजी के हृदय पर जाकर लगा। इससे क्रोधित हो शिवजी ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से उन्हें भस्म कर दिया। कामदेव को जलता देख उनकी पत्नी रति विलाप करने लगी। तभी आकाशवाणी हुई जिसमें रति को रुदन न करने और भगवान शिव की आराधना करने को कहा गया। फिर रति ने श्रद्धापूर्वक भगवान शंकर की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो शिवजी ने कहा कि कामदेव ने मेरे मन को विचलित किया था इसलिए मैंने इन्हें भस्म कर दिया। अब अगर ये अनंग रूप में महाकाल वन में जाकर शिवलिंग की आराधना करेंगे तो इनका उद्धार होगा। तब कामदेव महाकाल वन आए और उन्होंने पूर्ण भक्तिभाव से शिवलिंग की उपासना की। उपासना के फलस्वरूप शिवजी ने प्रसन्न होकर कहा कि तुम अनंग, शरीर के बिन रहकर भी समर्थ रहोगे। कृष्णावतार के समय तुम रुक्मणि के गर्भ से जन्म लोगे और तुम्हारा नाम प्रद्युम्न होगा।

श्रीकृष्ण और कामदेव

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण को भी कामदेव ने अपने नियंत्रण में लाने का प्रयास किया था। कामदेव ने भगवान श्रीकृष्ण से यह शर्त लगाई कि वे उन्हें भी स्वर्ग की अप्सराओं से भी सुंदर गोपियों के प्रति आसक्त कर देंगे। श्रीकृष्ण ने कामदेव की सभी शर्त स्वीकार की और गोपियों संग रास भी रचाया लेकिन फिर भी उनके मन के भीतर एक भी क्षण के लिए वासना ने घर नहीं किया।

रति ने पाला कामदेव को पुत्र की तरह फिर उनसे कर लिया विवाह

जब शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया तब ये देख रति विलाप करने लगी तब जाकर शिव ने कामदेव के पुन: कृष्ण के पुत्र रूप में धरती पर जन्म लेने की बात बताई। शिव के कहे अनुसार भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि को प्रद्युम्न नाम का पुत्र हुआ, जो कि कामदेव का ही अवतार था। कहते हैं कि श्रीकृष्ण से दुश्मनी के चलते राक्षस शंभरासुर नवराज प्रद्युम्न का अपहरण करके ले गया और उसे समुद्र में फेंक आया। उस शिशु को एक मछली ने निगल लिया और वो मछली मछुआरों द्वारा पकड़ी जाने के बाद शंभरासुर के रसोई घर में ही पहुंच गई। तब रति रसोई में काम करने वाली मायावती नाम की एक स्त्री का रूप धारण करके रसोईघर में पहुंच गई। वहां आई मछली को उसने ही काटा और उसमें से निकले बच्चे को मां के समान पाला-पोसा। जब वो बच्चा युवा हुआ तो उसे पूर्व जन्म की सारी याद दिलाई गई। इतना ही नहीं, सारी कलाएं भी सिखाईं तब प्रद्युम्न ने शंभरासुर का वध किया और फिर मायावती को ही अपनी पत्नी रूप में द्वारका ले आए।

मुद्गल पुराण के अनुसार कामदेव का वास यौवन, स्त्री, सुंदर फूल, गीत, पराग कण या फूलों का रस, पक्षियों की मीठी आवाज, सुंदर बाग-बगीचों, वसंत ऋतु, चंदन, काम-वासनाओं में लिप्त मनुष्य की संगति, छुपे अंग, सुहानी और मंद हवा, रहने के सुंदर स्थान, आकर्षक वस्त्र और सुंदर आभूषण धारण किए शरीरों में रहता है। इसके अलावा कामदेव स्त्रियों के शरीर में भी वास करते हैं, खासतौर पर स्त्रियों के नयन, ललाट, भौंह और होठों पर इनका प्रभाव काफी रहता है।

कामदेव मंत्र

कामदेव के बाण ही नहीं, उनका 'क्लीं मंत्र' भी विपरीत लिंग के व्यक्ति को आकर्षित करता है। कामदेव के इस मंत्र का नित्य दिन जाप करने से न सिर्फ आपका साथी आपके प्रति शारीरिक रूप से आकर्षित होगा बल्कि आपकी प्रशंसा करने के साथ-साथ वह आपको अपनी प्राथमिकता भी बना लेगा। कहा जाता है कि प्राचीनकाल में वेश्याएं और नर्तिकयां भी इस मंत्र का जाप करती थीं, क्योंकि वे अपने प्रशंसकों के आकर्षण को खोना नहीं चाहती थीं। ऐसा माना जाता है कि इस मंत्र का लगातार जाप करते रहने की वजह से उनका आकर्षण, सौंदर्य और कांति बरकरार रहती थी।

विमानन कंपनियों पर पड़ा कोरोना का कहर- स्पाइसजेट ने कर्मचारियों के वेतन में की 50% तक कटौती

बिजनेस डेस्क: कोरोना वायरस के संकट से एविएशन सेक्टर बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। कोरोना के कारण लोग हवाई सफर करने से बच रहे हैं। स्पाइसजेट ने कोरोना वायरस महामारी के चलते अप्रैल महीने की सैलरी में 50 फीसदी की कटौती कर दी है। सूत्रों ने बताया कि पायलट और केबिन क्रू सहित कर्मचारियों का अप्रैल का वेतन 10 से 50 फीसदी तक रोका गया है। उन्होंने कहा कि हालांकि, ड्राइवरों जैसे जूनियर कर्मचारियों को अप्रैल में पूरी तनख्वाह दी गई है।

अध्यक्ष और CMD नहीं लेंगे कोई वेतन

विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसके अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अजय सिंह अप्रैल में कोई वेतन नहीं लेंगे। कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर से विमानन क्षेत्र भी प्रभावित हुआ है, क्योंकि हवाई यात्रियों की संख्या में काफी कमी आई है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि किसी भी कर्मचारी के वेतन में कोई कटौती नहीं होगी। विमानन कंपनी यह सुनिश्चित कर रही है कि कम वेतनमान वाले कर्मचारियों को वेतन टाले जाने से कोई दिक्कत न हो और उन्हें पूरा वेतन दिया जाएगा। उन्होंने कहा, सीएमडी ने अपना पूरा वेतन छोड़ने का फैसला किया है। यह केवल एक अस्थाई उपाय है और कंपनी द्वारा रोके गए वेतन का भुगतान हालात पूरी तरह सामान्य होने के बाद किया जाएगा।

अप्रैल में भारत का निर्यात 3 गुना बढ़ा, व्यापार घाटा 15.24 अरब डॉलर पर पहुंचा

बिजनेस डेस्क: देश का निर्यात कारोबार अप्रैल माह में करीब तीन गुना बढ़कर 30.21 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले साल इसी माह में 10.17 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था। वाणिज्य मंत्रालय के रविवार को जारी शुरुआती आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इस दौरान आयात भी दो गुना से अधिक बढ़कर 45.45 अरब डॉलर पर पहुंच गया जो कि एक साल पहले अप्रैल महीने में 17.09 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य मंत्रालय ने एक वक्तव्य में कहा, ''भारत अप्रैल माह में शुद्ध रूप से आयातक रहा है और महीने का व्यापार घाटा 15.24 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा अप्रैल 2020 के व्यापार घाटे के आंकड़े 6.92 अरब डॉलर के मुकाबले दोगुने से अधिक है।'' पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण लागू लॉकडाउन से निर्यात कारोबार में 60.28 प्रतिशत की तीव्र गिरावट दर्ज की गई थी, वहीं इस साल मार्च में निर्यात 60.29 प्रतिशत बढ़कर 34.45 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अप्रैल 2021 में तेल आयात 10.8 अरब डॉलर का रहा जो कि एक साल पहले इसी माह में 4.65 अरब डॉलर रहा था। अप्रैल माह में जिन वस्तुओं के निर्यात में सकारात्मक रुख रहा उनमें रत्न एवं आभूषण, जूट, कालीन, हस्तशिल्प, चमड़ा, इलेक्ट्रानिक सामान, तेल खल, काजू, इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम उत्पाद, समुद्री उत्पाद और रसायन शामिल रहे हैं।

कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से अप्रैल में 9,659 करोड़ रुपए निकाले

नई दिल्ली: विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजारों में छह महीने से जारी खरीददारी का दौर अप्रैल में थम गया। विदेशी निवेशक अप्रैल माह में शुद्ध बिकवाल रहे और माह के दौरान उन्होंने भारतीय शेयर बाजारों से 9,659 करोड़ रुपए की निकासी की। भारत में कोरोना वायरस की गंभीर लहर और उसके अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए विदेशी निवेशकों ने अपना यह रुख बदला। माईवेल्थग्रोथ.कॉम के सह संस्थापक हर्षद चेतनवाला के अनुसार विदेशी निवेशकों में कोविड-19 संकट का भय यदि बढ़ता है तो विदेशी निवेशकों के अपनी हिस्सेदारी बेचने का चलन जोर पकड़ सकता है और बाजार में थोड़ी और उथल-पुथल आ सकती है। डिपॉजिटरी के पास मौजूद आंकड़े के मुताबिक पिछले महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय इक्विटी बाजार से 9,659 करोड़ रुपए की पूंजी निकाली। सितंबर, 2020 के बाद से पहली बार इस स्तर पर पूंजी की निकासी की गई। तब 7,782 करोड़ रुपए की निकासी की गई थी। अप्रैल से पहले अक्टूबर, 2020 और मार्च, 2021 के बीच एफपीआई ने इक्विटी में 1.97 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया था। इसमें इस साल के पहले तीन महीने में किया गया 55,741 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है। शेयर खान (बीएनपी पैरिबास) के कैपिटल मार्केट स्ट्रेटजी विभाग के प्रमुख, वरिष्ट उपाध्यक्ष, गौरव दुआ ने कहा, उभरते बाजारों में विदेशी निवेश में सामान्य रूप से एक मंदी आयी है। खासतौर पर भारत में कोरोना विषाणु की दूसरी लहर और अर्थव्यवस्था पर उसके असर से विदेशी संस्थानों पर इक्विटी बेचने का दबाव है। रिलायंस सिक्युरिटीज के स्ट्रेटजी प्रमुख बिनोद मोदी ने कहा कि एफपीआई की बिक्री थोड़े समय की प्रक्रिया है और इससे एक बड़ा जोखिम पैदा होने की आशंका नहीं है क्योंकि भारतीय इक्विटी की बुनियाद ठोस है। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड-19 मामलों में अच्छी खासी कमी आने पर आने वाले महीनों में इक्विटी में एफपीआई का प्रवाह वापस लौट सकता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में जल्द होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी होने से जल्द ही डीजल और पेट्रोल के खुदरा भाव भी बढ़ाए जा सकते हैं। इसका संकेत विमान ईंधन के मूल्य में 6.7 फीसद की बढ़ोतरी से मिल रहा है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) का भाव प्रति हजार लीटर 3,885 रुपए बढ़ा कर 61,690.28 रुपए कर दिया। विभिन्न राज्यों पेट्रोलियम पर बिक्री कर की दरों में भिन्नता के कारण वहां एटीएफ के भाव अलग-अलग हो सकते हैं। इससे पहले कंपनियों ने दो बार एटीएफ के भाव घटाए थे। पहली अप्रैल को इसमें तीन फीसद और 19 अप्रैल को एक फीसद की कमी की गई थी। डीजल एवं पेट्रोल के भाव लगातार 17वें दिन एक ही स्तर पर बने हुए हैं। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि डीजल-पेट्रोल के दामों में जल्दी ही संशोधन किया जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि पिछले चार दिन से दाम लगातार चढ़ रहे हैं। इस दौरान दुबई में कच्चा तेल 2.91 डॉलर प्रति बैरल महंगा हो चुका है। पेट्रोल और डीजल के खुदरा मूल्यों में क्रमशः 60 फीसद और 54 फीसद केंद्रीय व राज्य स्तरीय करों का होता है। भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर से पेट्रोलियम की मांग पर असर पड़ने की संभावनाओं के बावजूद अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल चढ़ रहा है। इसके पीछे अमेरिका की मजबूत मांग और डॉलर की कमजोरी बताया जा रहा है।

462 इंफ्रा परियोजनाओं में 4.38 लाख करोड़ रुपए लागत बढ़ी

नई दिल्ली: देश में ढांचागत क्षेत्र की 462 परियोजनाओं में उनकी लागत तय अनुमान के मुकाबले 4.36 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में यह बताया गया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए और उससे अधिक मूल्य की ढांचागत क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। इस प्रकार की कुल 1,737 परियोजनाओं में से 462 में लागत बढ़ गई है और 557 परियोजनाओं में देरी चल रही है। मंत्रालय की मार्च 2021 की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है, ''इन कुल 1,737 परियोजनाओं की क्रियान्वयन की मूल लागत 22,33,409.53 करोड़ रुपए थी और उनको पूरा करने की कुल संभावित लागत 26,69,649.35 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। इससे इन परियोजनाओं की कुल लागत में 4,36,239.82 करोड़ रुपए की संभावित वृद्धि हो गई। यह उनके लिए रखी गई वास्तविक लागत के मुकाबले 19.53 प्रतिशत अधिक है।' रिपोर्ट के मुताबिक इन 462 परियोजनाओं के लिए लागत वृद्धि 4,36,239.82 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। इन परियोजनाओं पर व्यय मार्च 2021 तक 13,06,617.54 करोड़ रुपए तक पहुंच गया जो कि इन परियोजनाओं के लिए तय लागत का 48.94 प्रतिशत है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चलने वाली परियोजनाओं की संख्या कम होकर 412 रह गई है। इनके पूरा होने के लिए तय समयसारिणी के मुताबिक इसका आकलन किया गया है। इसके अलावा 938 परियोजनाओं के लिए न तो उनके चालू होने का वर्ष इसमें बताया गया है और न ही काम में लगने वाला समय इसमें बताया गया है।

कोरोना संकट के बीच टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत, कर भुगतान देरी पर लेट फीस माफ

बिजनेस डेस्क:

केंद्र सरकार ने रविवार को कारोबारियों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने मार्च और अप्रैल 2021 माह के लिए जीएसटी की मासिक रिटर्न जीएसटीआर-3बी को जमा कराने में देरी पर लेट फीस को माफ कर दिया है। इसके साथ ही देरी से रिटर्न दायर करने पर ब्याज दर में भी कटौती की गई है। केंद्र सरकार के फैसले के अनुसार, 5 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार करने वाले कारोबारियों को मार्च व अप्रैल की जीएसटीआर-3बी और टैक्स भरने के लिए बिना लेट फीस के 15 दिनों का अतिरिक्त समय दिया है। इसके बाद अतिरिक्त 15 दिनों के भीतर उन्हें 9 फीसदी की दर से लेट फीस का भुगतान करना होगा और इसके बाद ठीक दोगुना यानी 18 फीसदी की दर से भुगतान करना होगा। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने इससे जुड़ी अधिसूचना 1 मई को जारी किया है और ये रिलैक्सेशंस 18 मई से प्रभावी मानी जाएंगी। सीबीआईसी द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक अप्रैल सेल्स रिटर्न की ड्यू डेट को भी 11 मई से बढ़ाकर 26 मई कर दी गई है। कंपोजिशन डीलर्स की बात करें तो उनके लिए जीएसटीआर-4 दाखिल करने के लिए एक महीने अधिक यानी 31 मई तक का समय दिया गया है। कारोबारियों को किसी महीने का जीएसटीआर-1 अगले महीने की 11 तारीख तक फाइल करना होता है और जीएसटीआर-3बी को अगले महीने की 20-24 तारीख तक फाइल करना होता है।

छोटे टैक्सपेयर्स को भी मिलेगा फायदा

एएमआरजी एंड एसोसिएशंस के सीनियर पार्टनर रजत मोहन का कहना है कि कोरोना की दूसरी लहर के चलते सरकार ने मार्च और अप्रैल 2021 में जरूरी अनुपालन संबंधी राहत दी है। मोहन के मुताबिक देश में मौजूद हर टैक्सपेयर्स को ऐसी राहत मिलनी चाहिए चाहे उसका कारोबार कितना ही छोटा या बड़ा हो। मोहन के मुताबिक बड़े टैक्सपेयर्स को 15 दिनों तक जीएसटीआर-3बी फाइल करने पर कोई लेट फीस नहीं चुकाना होगा, ऐसा ही फायदा छोटे टैक्सपेयर्स को भी मिलेगा चाहे उनसे 30 दिनों तक की देरी हो जाती है।

खूबसूरत रंगों और बेजोड़ 4K क्लैरिटी वाली BRAVIA X75 स्मार्ट Android TV सीरीज़ के साथ मनोरंजन की दुनिया में कदम रखें

नई दिल्ली- सोनी इंडिया ने आज 4K Ultra HD LED डिस्प्ले के साथ नई X75 Android टेलीविजन सीरीज़ को लॉन्च करने की घोषणा की। ये नई पीढ़ी के टेलीविजन, देखने का एक निजी और एकदम जीवंत अनुभव प्रदान करने की खूबियों से लैस हैं। X75 के साथ अब Android TV की दुनिया में कदम रखें और क्लीयर और प्राकृतिक साउंड के साथ खूबसूरत रंगों और बेजोड़ 4K क्लैरिटी में रोमांचकारी गेम्स, फिल्मों का अनुभव लें।

X1™ 4K प्रोसेसर के साथ खूबसूरत रंगों, कांट्रास्ट और बेहतरीन बारीकियों का अनुभव लें

नई BRAVA X75 सीरीज़ 126 cm (50) और 108 cm (43) साइज़ों में उपलब्ध है, नॉयज कम करने और बारीकियां उभारने के लिए इसके शक्तिशाली X1™ 4K प्रोसेसर में अत्याधुनिक एल्गोरिद्म का उपयोग किया जाता है। एक समान स्पष्ट 4च सिग्नल के साथ, इसमें आप कुछ भी देखें वह 4च रेजोल्यूशन जैसा दिखेगा जो लाइफ-लाइक कलर और कांट्रास्ट से भरपूर होगा।

X75 सीरीज़, लाइव कलर विशेषता को सपोर्ट करती है जिससे देखने का अनुभव अधिक निखरा हुआ और जीवंत बनता है

X75 सीरीज़ में लाइव कलर विशेषता है जो प्राकृतिक रंगों के साथ लाइफ-लाइक पिक्चर का अनुभव प्रदान करती है, जिसमें इमेज की स्मजिंग (धुंधलापन) या डलिंग (चमक खोना) नहीं होती। यह विशेषता, कलर्स बढ़ाकर आपके पसंदीदा कंटेंट का अधिक निखरा हुआ और जीवंत अनुभव प्रदान करती है।

BRAVIA X75 सीरीज़ पर असीमित मनोरंजन के लिए Google Assistant से लैस Android TV का आनंद लें

X75 टेलीविजनों की नई श्रृंखला में सोनी की Android TV वाली खूबी है, जो इसके विस्तृत प्लेटफार्म के माध्यम से उपयोक्ताओं को कंटेंट, सेवाओं और डिवाइसों तक आसान पहुंच प्रदान करती है। यह स्मार्ट Android TV तुरंत आपको ऐप्स या ब्रॉडकास्ट से फिल्मों और शो%ज का आनंद लेने की सुविधा देता है। X75 आपके TV को लोकप्रिय स्मार्ट डिवाइसों जैसे कि Google Home या Amazon Echo से कनेक्ट करने की सुविधा देता है, जिससे दर्शकों को बस अपने स्मार्ट स्पीकर्स से बात करके कंट्रोल करने TV और इस पर कंटेंट स्ट्रीम कराने की सुविधा मिलती है।

4K X-Reality™ PRO के साथ असाधारण रिजोल्यूशन, एकदम असली लगने वाली स्पष्टता और टेक्सचर

BRAVIA X75 4K टेलीविजन में भव्य 4K पिक्चर्स एकदम रियल वर्ल्ड डिटेल और टेक्सचर के साथ देखिए। 2K और फुल HD में भी फिल्माई गई इमेज को एक अद्वितीय 4K डाटाबेस का उपयोग करते हुए 4K X-Reality™ PRO द्वारा 4K रिजोल्यूशन तक अपस्केल किया जाता है।

भारतीय रेल को रेल की आपूर्ति के लिए रिवर्स ऑक्शन प्रणाली ला सकती है सरकार: जेएसपीएल

नयी दिल्ली,

जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) के प्रबंध निदेशक वी आर शर्मा ने कहा कि सरकार रेल परियोजनाओं के लिए रेल की आपूर्ति की खातिर 'रिवर्स ऑक्शन प्रक्रिया' शुरू कर सकती है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया शुरू होने के बाद सबसे कम कीमत की पेशकश करने वाली कंपनी भारतीय रेल को रेल की आपूर्ति का ऑर्डर हासिल कर सकती है। शर्मा ने जेएसपीएल के रेल व्यापार से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए पीटीआई से कहा, हाल में हमें बताया गया कि भारतीय रेल, रेल की आपूर्ति के लिए एक रिवर्स ऑक्शन प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। हम सरकार के योजना शुरू करने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले भारतीय रेल का केवल एक ही आपूर्तिकर्ता - भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) - हुआ करता था लेकिन अब प्रतिस्पर्धा में और भी कंपनियां हैं। इसलिए भारतीय रेल रिवर्स ऑक्शन प्रक्रिया शुरू करने जा रही है।

जुलाई, 2018 में जेएसपीएल ने लंबी रेलों की आपूर्ति के लिए भारतीय रेल की 2,500 करोड़ रुपए की वैश्विक निविदा का 20 प्रतिशत हिस्सा हासिल करने की घोषणा की थी। एक सहमति ज्ञापन के मुताबिक, इससे पहले तक भारतीय रेल सरकारी कंपनी सेल से ही रेल की खरीद करती आ रही थी।

पूनावाला ने कहा कुछ दिन में भारत लौटूंगा, कोविशील्ड का उत्पादन पूरे जोरों पर चल रहा है

नयी दिल्ली,

भारत में कोविड- 19 टीके की बढ़ती मांग के बीच मिल रही कथित धमकियों के बाद लंदन पहुंच चुके सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ अदर पूनावाला ने कहा है कि वह जल्द ही भारत लौटेंगे। उन्होंने कहा कि एसआईआई में कोविशील्ड टीके का उत्पादन पूरे जोरों पर हो रहा है। पूनावाला ने 'दि टाइम्स' के साथ एक साक्षात्कार में भारत में उन्हें धमकियां मिलने जैसी बात कही थी। कोविड- 19 टीके की मांग में आई भारी तेजी और उसको लेकर उन पर बढ़ते अप्रत्याशित दबाव और वैक्सीन की आपूर्ति को लेकर भारत के कुछ सबसे प्रभावशाली लागों की उग्र फोलन काल मिलने के बाद वह परिवार के साथ लंदन चले गये। पूनावाला ने देर रात किये गये एक ट्वीट में शनिवार को कहा कि कोविशील्ड का उत्पादन पूरे जोरों पर हो रहा है। आक्सफोर्ड और एस्ट्रा जेनेका के कोविड- 19 टीके का उत्पादन सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा किया जा रहा है। अपने ट्वीट में पूनावाला ने कहा, ''यह बताते हुये प्रसन्नता हो रही है कि कोविशील्ड का उत्पादन पुणे में पूरे जोरशोर के साथ हो रहा है। मैं कुछ ही दिन में भारत लौटकर कामकाज की समीक्षा करूंगा।'' उन्होंने हालांकि भारत लौटने की समयसीमा के बारे में नहीं बताया। पूनावाला ने एक ट्वीट में कहा, ''ब्रिटेन में अपने सभी भागीदारों और संबंधित पक्षों के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। बहरहाल, यह बताते हुये मुझे प्रसन्नता है कि पुणे में कोविशील्ड का उत्पादन पूरे जोरों से चल रहा है। कुछ ही दिन में भारत लौटने पर मैं उत्पादन कार्य की समीक्षा करूंगा।'' भारत के राज्य इस समय कोरोना संक्रमण के गंभीर संकट के बीच टीका पाने के लिये हाथ पैर मार रहे हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के दैनिक आंकड़े चार लाख तक पहुंच चुके हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान संक्रमण के 3,92,488 नये मामले सामने आये हैं, वहीं इस दौरान 3,689 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार अब तक कुल 1.95 करोड़ लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं जबकि 2,15,542 की मौत हो चुकी है।

दि टाइम्स ने शनिवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में पूनावाला को यह कहते हुये बताया, ''मैं यहां लंबे समय के लिये रुकूंगा, क्योंकि मैं वहां फिर उस स्थिति में नहीं जाना चाहता हूं।''

SBI चेयरमैन बोले- अर्थव्यवस्था को सपोर्ट देने के लिए जितना संभव होगा ब्याज दरें कम रखेंगे

बिजनेस डेस्क: भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अर्थव्यवस्था की वृद्धि को समर्थन देने के लिए ब्याज दरों को जितना संभव होगा नरम और अनुकूल बनाए रखेगा। बैंक के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने यह कहा। कोविड- 19 महामारी की दूसरी लहर का बैंक की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) पर पड़ने वाले असर के बारे में एसबीआई चेयरमैन ने कहा कि यह लॉकडाउन पूरे भारत में नहीं लगा है। ऐसे में हमें बैंकिंग क्षेत्र पर इसके पड़ने वाले असर की कुछ समय प्रतीक्षा करनी होगी उसका आकलन करना होगा। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति सहित कई चीजें हैं जिनका ब्याज दर पर असर होता है। ''हमारा प्रयास आर्थिक वृद्धि के प्रयासों को समर्थन देना है। यह सुनिश्चित करने के लिये जितना संभव हो सकेगा हम ब्याज दरों को नरम बनाए रखने का प्रयास करेंगे।

बैंक का आईसीयू वाले अस्थाई अस्पताल बनाने का फैसला

खारा ने कहा कि स्थानीय प्रतिबंधों के आधार पर बैंकों के एनपीए परिदृय को लेकर इस समय किसी भी तरह का आकलन किया जाना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, ''अलग अलग राज्यों में लॉकडाउन की स्थिति अलग है, ऐसे में हमें अर्थव्यवस्था और एनपीए की स्थिति को लेकर कोई भी टिप्पणी करने से पहले कुछ और समय तक देखना और प्रतीक्षा करनी चाहिए।%% कोरोना वायरस महामारी की मौजूदा परिस्थितियों के बीच बैंक द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में खारा ने कहा कि बैंक ने देश के कुछ अधिक प्रभावित राज्यों में कोविड-19 मरीजों के लिए गहन चिकित्सा सुविधा (आईसीयू) वाले अस्थाई अस्पताल बनाने का फैसला किया है।

अस्पतालों और एनजीओ के साथ कर रहा गठबंधन

बैंक ने इस काम के लिए 30 करोड़ रुपए की राशि रखी है और वह आपात स्तर पर चिकित्सा सुविधायें स्थापित करने को लेकर कुछ गैर-सरकारी संस्थानों (एनजीओ) और अस्पताल प्रबंधन के साथ संपर्क में है। उन्होंने कहा कि बेंक सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए एक हजार बिस्तरों की व्यवस्था करना चाहता है। इनमें 50 बिस्तरे आईसीयू सुविधा के साथ होंगे। खारा ने कहा कि स्टेट बैंक ऑक्सीजन सिलेंडर तथा दूसरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी अस्पतालों और एनजीओ के साथ गठबंधन कर रहा है।

शेयर बाजार पर दिखेगा चुनाव नतीजों का असर

मुंबई:

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजों का असर आने वाले सप्ताह में शेयर बाजार पर हावी रहेगा। इसके साथ ही कोविड-19 महामारी की स्थिति भी निवेशकों का रुख तय करने में महत्वपूर्ण होगी। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी और चार राज्यों में पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों की मतगणना रविवार को हुई। इसमें पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम में निवेशकों की सबसे ज्यादा दिलचस्पी थी। खबर लिखे जाने तक मिल रहे रुझानों में केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल में बहुमत से बहुत दूर दिख रही है। यदि अंतिम नतीजे भी इसी प्रकार रहे तो शेयर बाजार में आने वाले सप्ताह में बिकवाली देखी जा सकती है। इससे पहले विभिन्न एग्जिट पोल में पश्चिम बंगाल में भाजपा के पिछड़ने की संभावना जताये जाने के बाद शुक्रवार को ही सेंसेक्स 948 अंक और निफ्टी 264 अंक लुढ़क गया था। बीते सप्ताह पहले चार दिन सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त देखी गई जबकि एग्जिट पोल के नतीजे आने के बाद शुक्रवार को भारी गिरावट रही। पूरे सप्ताह के दौरान सेंसेक्स कुल 903.91 अंक यानी 1.89 प्रतिशत मजबूत होकर सप्ताहांत पर 48,782.36 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 289.75 अंक यानी 2.02 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी के साथ 14,631.10 अंक पर पहुंच गया। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई में मझौली कंपनियों का सूचकांक मिडकैप 1.80 प्रतिशत चढ़कर 20,312.20 अंक पर बंद हुआ। छोटी कंपनियों में लिवाली अधिक रहने से स्मॉलकैप 665.10 अंक यानी 3.17 फीसदी की साप्ताहिक बढ़त में रहा और शुक्रवार को 21,670.11 अंक पर पहुंच गया।

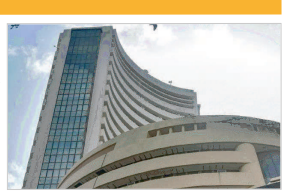

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार को दान करेंगे। डीडीसीए इसके साथ ही अपने सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 25 अतिरिक्त ऑक्सीजन कनसंट्रेटर्स खरीदेगा।

आईपीएल-14 : कोलकाता के कमिंस के सामने होंगे बेंगलोर के मैक्सवेल और डीविलियर्स

अहमदाबाद।

एबी डीविलियर्स और ग्लैन मैक्सवेल जैसे बल्लेबाजों से शुमार ऑयल चैलेंजर्स बेंगलोर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें सीजन में सोमवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले लीग के 30वें मैच में पूर्व चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगी।बेंगलोर ने इस सीजन में अब तक सात में से पांच मैच जीते हैं और वह 10 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है। टीम को हालांकि पिछले तीन मैचों में से दो में हार का सामना करना पड़ा है। पिछले ही मैच में उसे पंजाब किंग्स ने 34 रनों से मात दी थी।दूसरी तरफ, कोलकाता को सात मैचों में अब तक केवल दो ही जीत मिली है। इस सीजन में जब दोनों टीमें पिछले बार एक दूसरे से भिड़ी थी तो विराट कोहली की कप्तानी वाली बेंगलोर ने 38 रनों से जीत दर्ज की थी।इस मैच में मुकाबला मुख्य रूप से कोलकाता के तेज गेंदबाज पैट कमिंस और बेंगलोर के बीच बल्लेबाज डीविलियर्स तथा मैक्सवेल के बीच हो सकती है। हालांकि मैक्सवेल और डीविलियर्स, दोनों पिछले मैच में पंजाब के खिलाफ कुछ खास नहीं कर पाए थे। दोनों को पंजाब के स्पिनर हरप्रीत बरार ने आउट किया था।कोलकाता कमिंस के ओवरों को आखिर के लिए बचाकर रखना चाहेगी ताकि नंबर चार पर मैक्सवेल और नंबर पांच पर डीविलियर्स को रोका जा सके।

इयोन मोर्गन की कप्तानी वाली टीम की परेशानी उसकी बल्लेबाजी रही है। शीर्ष क्रम के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिख रही है जबकि निचले क्रम भी तेजी से रन बनाने में विफल रहे हैं।

टीमें (संभावित)

कोलकाता नाइट राइडर्स :

शुभमन गिल, नितीश राणा, टिम सेफर्ट (विकेटकीपर), राहुल त्रिपाठी, रिंकू सिंह, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), इयोन मोर्गन (कप्तान), आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, वरुण सीवी, कुलदीप यादव, पैट कमिंस, लॉकी फर्ग्यूसन, कमलेश नागरकोटी, शिवम मावी, संदीप वारियर, प्रसिद्ध कृष्णा, शाकिब अल हसन, शेल्डन जैक्सन, वैभव अरोड़ा, करुण नायर, हरभजन सिंह, बेन कटिंग, वेंकटेश अय्यर, पवन नेगी।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर :

विराट कोहली (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, फिन एलन (विकेटकीपर), एबी डीविलियर्स (विकेटकीपर), पावन देशपांडे, वाशिंगटन सुंदर, डेनियल सैम्स, युजवेंद्र चहल, स्कॉट कुगलेइजन, शाहबाज अहमद, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी, हर्षल पटेल, ग्लेन मैक्सवेल, सचिन बेबी, रजत पाटीदार, मोहम्मद अजहरुद्दीन, काइल जेमिसन, डैनियल क्रिश्चियन, सुयश प्रभुदेसाई, केभरत।

न्यू इन चैस क्लासिक फाइनल - मेगनस कार्लसन ने बनाई बढ़त

नई दिल्ली (निकलेश जैन)

मेल्टवाटर शतरंज टूर 2021 के छठे पड़ाव न्यू इन चैस क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के फाइनल में पहले दिन विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें यूएसए के हिकारु नाकामुरा को 3-1 से मात देते हुए पहला दिन अपने नाम कर लिया और अब अगर दूसरा दिन उन्होने ड्रॉ भी खेला तो छह माह के अंतराल के बाद उनके पास कोई खिताब आ जाएगा । दोनों के बीच पहले दिन हुए पहले दो रैपिड मुकाबले अनिर्णीत रहे पर तीसरे रैपिड में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए इटेलिअन ओपनिंग में मेगनस कार्लसन नें 90 चालों तक चले खेल में वजीर के एंडगेम का शानदार परिचय दिया और 2-1 से बढ़त हासिल कर ली इसके बाद दिन के अंतिम रैपिड में कार्लसन नें काले मोहरो से मात्र 37 चालों में जीत दर्ज करते हुए 3-1 से दिन अपने नाम कर लिया । अब दूसरे दिन कार्लसन को खिताब जीतने के लिए सिर्फ 2 अंक बनाने की जरूरत है जबकि नाकामुरा के लिए कम से कम 2.5 अंको की जरूरत है ताकि वह खेल को टाईब्रेक की ओर ले जा सके । तीसरे स्थान के लिए चल रहे मुकाबले में अजरबैजान के शाकिरयार ममेद्यारोव और यूएसए के लेवोन अरोनियन के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा ।

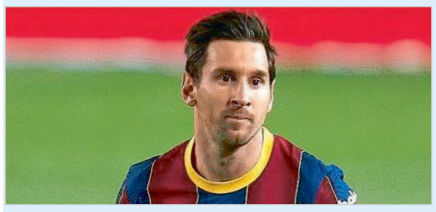

मेस्सी ने इंग्लैंड फुटबॉल के सोशल मीडिया बहिष्कार का समर्थन किया

बार्सीलोना :

लियोनल मेस्सी ने 20 करोड़ फॉलोअर्स वाले अपने सोशल मीडिया मंच का इस्तेमाल आनलाइन दुर्व्यवहार के खिलाफ कार्रवाई की मांग के लिए किया है। बार्सीलोना के इस फारवर्ड ने शनिवार को उस समय यह संदेश पोस्ट किया जब इंग्लैंड फुटबॉल लीग, क्लबों और खिलाड़ियों ने आनलाइन नस्ली उत्पीड़न और भेदभाव के खिलाफ सोशल मीडिया का चार दिवसीय बहिष्कार शुरू किया। मेस्सी भी इस दौरान चुप नहीं रहे। उन्होंने सोशल मीडया पर दुर्व्यवहार और भेदभाव के खिलाफ अभियान के विचार के लिए ब्रिटेन के फुटबॉल से जुड़े सभी लोगों को इंस्टाग्राम के जरिए बधाई दी। मेस्सी ने अपने फॉलोअर्स के लिए स्पेनिश में लिखा के आप प्रत्येक प्रोफाइल के पीछे के व्यक्ति को महत्व दें जिससे कि हम सभी महसूस करें कि प्रत्येक अकाउंट के बीच हाड़-मांस का व्यक्ति है जो हंसता है, रोता है, जीवन का लुत्फ उठाता है और कष्ट सहन करता है। मेस्सी ने फेसबुक, ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया कंपनियों से अधिक प्रयास करने को कहा।

आईपीएल-14

राजस्थान ने हैदराबाद को 55 रनों से हराया

नई दिल्ली।

राजस्थान रॉयल्स ने रविवार को यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 28वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 55 रनों से हरा दिया। राजस्थान ने टॉस हारने के बाद पहले बैटिंग करते हुए तीन विकेट पर 220 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी हैदराबाद की टीम 20 ओवरों में 8 विके ट पर 165 रन ही बना सकी। उसकी ओर से मनीष पांडे ने सर्वाधिक 31 रन बनाए जबकि विकेटकीपर जॉनी बेयरस्टो ने 30 रन बनाए। राजस्थान की ओर से मुस्ताफिजुर रहमान और क्रिस मौरिस ने तीन-तीन विकेट लिए। इससे पहले, टॉस हारकर बैटिंग कर रही राजस्थान की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 220 रन बनाए। बटलर ने अपनी 64 गेंदों की पारी में 11 चौके और 8 छक्के लगाए। बटलर ने आईपीएल में अपना पहला शतक लगाया है। वह इस लीग में शतक लगाने वाले चौथे अंग्रेज बल्लेबाज हैं। उनके पहले केविन पीटरसन, बेन स्टोक्स (2 बार) और जॉनी बेयरस्टो शतक लगा चुके हैं। इसके अलावा कप्तान संजू सैमसन ने 33 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 48 रनों की पारी खेली।

रियान पराग 15 रनों पर नाबाद लौटे। नए कप्तान केन विलियमसन की देखरेख में खेल रही हैदराबाद की ओर से संदीप शर्मा, राशिद खान और विजय शंकर ने एक-एक सफलता हासिल की। राजस्थान की सात मैचों में यह तीसरी जीत थी। उसके खाते में छह अंक हो गए हैं और वह बेहतर नेट रन रेट के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, नए कप्तान की देखरेख में भी हैदराबाद को जीत नहीं मिली। उसे सीजन में सात मैचों में छठी हार झेलनी पड़ी। वह एक जीत के साथ तालिका में सबसे नीचे है।

संक्षिप्त समाचार

रोजर फैडरर ने मैड्रिड ओपन से लिया नाम वापस

नई दिल्ली । 3 बार के मैड्रिड ओपन चैंपियन रोजर फेडरर ने स्पेनिश राजधानी में मास्टर्स 1000 इवेंट के इस साल के संस्करण से पीछे हटने का मन बना लिया है। मैड्रिड ओपन टूर्नामेंट के निदेशक और रोजर के साथ टूर पर जाने वाले सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक फेलिसियानो लोपेज ने कहा कि मुझे रोजर के मैड्रिड में खेलने की उम्मीद नहीं थी। 20 बार के मेजर चैम्पियन रोजर फैडरर ने पिछले 15 महीनों के दौरान सिर्फ एक टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। रोजर अपने घुटने की सर्जरी के चलते बाहर रहे हैं।अपना सर्वश्रेष्ठ देने के बावजूद रोजर फैडरर को फरवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन छोडना पड़ा था। 13 महीनों बाद अपने पहले मैच में फेडरर ने डैनियल इवांस को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

एफसी गोवा का अगला लक्ष्य आईएसएल खिताब जीतना : कोच फेरांडो

फातोर्दा (गोवा)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम एफसी गोवा के मुख्य कोच जुआन फेरांडो ने कहा है कि उनकी टीम हाल में संपन्न हुई एएफसी चैंपियंस लीग ग्रुप चरण के मैचों में उम्मीदों पर खरा उतरी है। उन्होंने कहा कि टीम ने जो तीन ड्रॉ खेले हैं, वह उसके लिए अच्छा संकेत था। फेरांडो ने कहा, हर कोई सोचा था कि एफसी गोवा एशिया में 0-4 से या 0-5 से हारेगी। लेकिन अगर आप एक टीम के रूप में काम करते हैं, तो आपके पास मौका है। अगर कोई अच्छी योजना है, तो हम कोशिश कर सकते हैं। एशिया में 90 मिनट के लिए ध्यान केंद्रित करना चुनौतीपूर्ण था। यहां फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 20 दिनों तक खेले गए ग्रुप ई के छह मुकाबलों में एफसी गोवा ने टूर्नामेंट में कतर के अल रेयान और यूएई के अल वहदा जैसे क्लबों के खिलाफ तीन ड्रॉ खेले और तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा। एफसी गोवा ने टूर्नामेंट में अल रेयान और अल वहदा क्लबों को ड्रॉ पर रोका। इसके बाद उसे ईरान के क्लब पसेपोलिस एफसी के खिलाफ दो बार हार का सामना करना पड़ा और फिर उसने अल रेयान को ड्रॉ पर रोका। अंतिम मैच में गोवा को अल वहदा क्लब से 0-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी। फेरांडो ने कहा, महाद्वीप में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी क्लब प्रतियोगिता में तीन ड्रॉ और तीन हार, बुरा परिणाम नहीं है। हमें बहुत सुधार करने की जरूरत है। मुझे नहीं लगता कि यह अधिकतम स्तर है, हम बेहतर हो सकते हैं। यह क्लब अपनी क्षमता का 14 प्रतिशत है। एटीके मोहन बागान और मुंबई सिटी एफसी दूसरे स्तर पर हैं, लेकिन एफसी गोवा मेरे लिए सबसे अच्छा है। लीग में खिताब जीतना एक सपना है और यह मेरा जुनून है।

जिमनास्ट प्रणति को मिला एशियाई कोटा, तोक्यो ओलंपिक में लेंगी भाग

नई दिल्ली ।

एशियाई कलात्मक जिमनास्टिक चैंपियनशिप 2019 में कांस्य पदक जीतने वाली भारत जिमनास्ट प्रणति नायक ने तोक्यो ओलंपिक के लिए महाद्वीपीय कोटा के माध्यम से क्वालीफाई कर लिया है। पश्चिम बंगाल की 26 साल की यह जिमनास्ट एशियाई कोटे से रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में श्रीलंका की एलपिटिया बैडल्गे डोना मिल्खा गे के बाद दूसरे स्थान पर है और कोविड-19 महामारी के कारण चीन में 29 मई से एक जून तक प्रस्तावित नौवीं सीनियर एशियन चैंपियनशिप के रद्द होने के बाद वह ओलंपिक टिकट की पात्र बन गयी। प्रणति ने कहा- मैं 2019 विश्व चैम्पियनशिप के दौरान क्वालीफाइंग स्कोर हासिल करने मे असफल रहने के बाद काफी निराश थी। महामारी के कारण प्रतियोगिताओं के रद्द होने के कारण मैंने कभी नहीं सोचा था कि ओलंपिक में जाने का मेरा सपना साकार होगा। उन्होंने कहा- मैं अब एशियाई या विश्व निकाय से इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रही हूं। प्रणति से जब पूछा गया कि वह अभी टारगेट ओलंपिक स्कीम (टॉप्स) का हिस्सा है तो उन्होंने कहा- मैं 2018 खेलों तक डेढ़ साल तक इसका हिस्सा थी। अब मैंने क्वालीफाई कर लिया है तो उम्मीद है फिर से योजना का हिस्सा बनूंगी।

मैं अगले कुछ महीने में कड़ी मेहनत कर के ओलंपिक में अच्छा करना चाहती हूं।

कोविड-19 के कारण के ओलंपिक मशाल रिले के कार्यक्रम में बदलाव

तोक्यो ।

जापान में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण तोक्यो ओलंपिक मशाल रिले के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। मशाल रिले को इस सप्ताह के अंत में दक्षिणी द्वीप ओकिनावा से गुजरना था। कोविड-19 मामलों के कारण रविवार को प्रांत के मियाकोजिमा से गुजरने वाली रिले को रद्द कर दिया गया। ओकिनावा द्वीप के अन्य चरण पहले की तरह जारी रहेंगे।मियाकोजिमा के एक शिक्षक ने कहा- हम नहीं चाहते कि द्वीप से बाहर का कोई यहां आए, यह इंसानों की जिंदगी का सवाल है। मशाल रिले छह सप्ताह पहले शुरू हुई थी जिसमें लगभग 10000 धावकों को भाग लेना है। कोविड-19 प्रभावित ओसाका और मात्सुयामा शहर को छोड़कर इसका आयोजन लगभग तय कार्यक्रम के मुताबिक ही हुआ है। तोक्यो में इसके साथ ही छह दिवसीय तैराकी परीक्षण प्रतियोगिता में 46 देशों के 225 खिलाड़ी भाग ले रहे है। इसमें हालांकि प्रशंसकों के आने की अनुमति नहीं होगी। जापान की संवाद समिति क्योदो ने जापानी तैराकी महासंघ के हवाले से बताया कि मिस्र की टीम के कोच को जापान पहुंचने के बाद कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया है जबकि अन्य सदस्य जांच में नेगेटिव है।

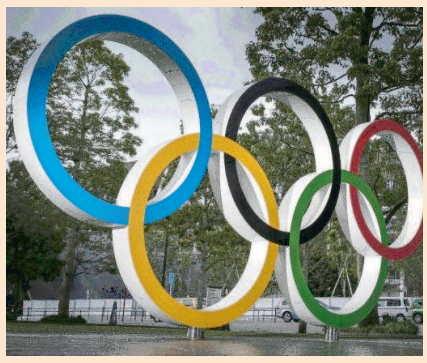

मेड्रिड ओपन : वर्ल्ड नम्बर-2 ओसाका हारी

मेड्रिड। वर्ल्ड नम्बर-2 जापान की नाओमी ओसाका को रविवार को यहां जारी मेड्रिड ओपन के दूसरे दौर के मुकाबले में चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा। ओसाका को चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा ने 6-4, 3-6, 6-1 से हराया। इस सीजन में टॉप-5 खिलाड़ियों पर मुचोवा की यह तीसरी जीत है। मुचोवा ने इस साल आस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाली ओसाका क हराने के लिए एक घंटे 49 मिनट समय लिया। सोमवार को ही मुचोवा को डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष-20 में जगह मिली है और इसमें शामिल होने के साथ ही मुचोवा ने ओसाका को हराते हुए टॉप-5 खिलाड़ियों के खिलाफ करियर की 10वीं जीत हासिल की।

हॉकी प्रो लीग में भारत का मुकाबला न्यूजीलैंड से

नई दिल्ली :

भारत एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021-22 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। भारतीय टीम डबल हैडर मैचों के लिए न्यूज़ीलैंड की यात्रा करेगी। भारत फिर इसके बाद ऑस्ट्रेलिया से मैच खेलेगा। ये दोनों मुकाबले बाहरी हैं। भारत ने पिछले महीने ओलम्पिक चैंपियन अर्जेंटीना से मुकाबले खेले थे। अंतरराष्ट्रीय हॉकी संस्था (एफआईएच) ने 2021-22 सत्र के लिए प्रो हॉकी लीग के कार्यक्रम की घोषणा की थी। इस साल लीग की शुरुआत छह अक्टूबर 2021 को होगी जब मौजूदा महिला विश्व चैंपियन हॉलैंड का मुकाबला बेल्जियम से होगा। भारतीय कप्तान मनप्रीत सिंह ने कार्यक्रम पर कहा- एफआईएच ने 2021-22 सत्र के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इससे हमें अपनी तैयारियों को लेकर योजना बनाने का मौका मिलेगा।

हालांकि हमारा सारा ध्यान इस जुलाई अगस्त में टोक्यो ओलम्पिक में अच्छा प्रदर्शन करने पर लगा हुआ है हम अब जानते हैं कि साल के दूसरे हाफ में हमें क्या करना है। हमें न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में उनके मैदानों पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए गंभीरता से तैयारी करने की जरूरत है।

मनप्रीत ने कहा- न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया अपने घर में काफी चुनौतीपूर्ण टीमें हैं और हम ऐसी टीमों के खिलाफ अपना अभियान शुरू करने की सम्भावना को लेकर काफी रोमांचित हैं।

भारत का न्यूजीलैंड के साथ मुकाबला पांच फरवरी 2022 को होगा। भारतीय टीम इसके बाद 12 और 13 फरवरी 2022 को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। भारत फिर स्पेन (26 और 27 फरवरी), जर्मनी (12 और 13 मार्च) तथा अर्जेंटीना (19 और 20 मार्च) से भिड़ेगा। अप्रैल में भारत का मुकाबला इंग्लैंड से (2 और 3 अप्रैल) और फिर बेल्जियम (11 और 12 जून) तथा हॉलैंड (18 और 19 जून) से होगा।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में आईपीएल की 10 फीसदी कमाई दान करेंगे जयदेव

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के (आरआर) बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में देश की मदद करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के वेतन का 10 प्रतिशत हिस्सा दान देने का फैसला किया है। शनिवार को साझा किए गए एक वीडियो में, 29 वर्षीय गेंदबाज ने कहा, मैं अपने आईपीएल वेतन का 10 फीसदी दान कर रहा हूं, जो जरूरतमंद लोगों के लिए आवश्यक चिकित्सा संसाधन प्रदान करने की दिशा में काम आएगा। मेरा परिवार यह सुनिश्चित करेगा कि यह सही स्थानों तक पहुंचे। उनादकट, जिन्होंने न्यूजीलैंड में 2010 विश्व कप में भारत के अंडर-19 आक्रमण का नेतृत्व किया था और 2018 से आरआर के साथ हैं, ने कहा, मैं कुछ साझा करना चाहूंगा जो मैं पिछले कुछ हफ्तों से महसूस कर रहा हूं। हमारा देश मुश्किल समय से गुजर रहा है। मुझे यह भी पता है कि एक व्यक्तिगत नुकसान कितना दर्दनाक हो सकता है और अपने जीवन के लिए लड़ रहे अपने करीबी दोस्तों को देखना कितना चिंताजनक हो सकता है। ऐसे में मैं अपनी ओर से छोटा सा योगदान देना चाहता हूं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली और भारयी दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने भी इस कारण का समर्थन करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है।

कोरोना से बचने मेथिलीन, नास का प्रयोग नहीं करें

अहमदाबाद।

कोरोना महामारी में वेंटिलेटर, आईसीयू बेड से लेकर रेमडेसिवीर, टोसिलिजुमेव जैसे इंजेक्शनों की भारी कमी महसूस हो रही है। एक तरफ मरीज यह सुविधा के अभाव में मौत हो रही है तो दूसरी तरफ लोग रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रहे है। सोशल मीडिया पर तरह-तरह के विडियो और नुस्खे वायरल हो रहे है और कोरोना हो जाएगा ऐसी दहशत में जी रहे लोग यह कहे जा रहे उपचारों का पालन कर रहे है। ऐसे प्रयोग की वजह से लोगों में साइड इफेक्ट होने की जानकारी मिली है। कुछ दिन पहले भावनगर के एक डॉक्टर का विडियो वायरल हुआ था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस विडियो में डॉक्टर ने दावा किया था कि मेथिलीन ब्लू नाम की दवा से कोरोना खत्म हो जाता है। यह विडियो में डॉक्टर ने कई मरीजों को मेथिलीन ब्लू नाम की दवाई से ठीक किए जाने का दावा किया है। मेथिलीन ब्लू दवाई मामले में सीनियर पल्मनोलोजिस्ट डॉ. नरेन्द्र रावल ने स्थानीय अखबार को बताया कि, कोई भी दवाई जिसका पर्याप्त क्लिनिकल ट्रायल नहीं हुआ है इसका उपयोग नहीं करना चाहिए। मेथिलीन ब्लू ने एक एंटिसेप्टिक दवा है। इसके द्वारा कोरोना खत्म हो जाता है इसका कोई सबूत नहीं है। यह प्रकार की साइड इफेक्ट वाली दवाई लेने से जान का खतरा बने रहने की संभावना है। ऐसी दवाई से मरीज को एसिडिटी, उल्टी, दस्त और पेट में दर्द जैसी साइड इफेक्ट हो सकते है। इसी प्रकार से नाक में नींबू की बूंद डालने से कोरोना खत्म हो जाता है यह भी विडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। इसके अलावा एक्यूप्रेशर, एक्यूपंचर, होमियोपैथी और आयुर्वैदिक की अलग-अलग कई दवा और इसके उपयोग मामले में कई विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। जिसका कई लोग आंख मूंदकर नकल किए जाने का डॉक्टरों द्वारा बताया गया है। अहमदाबाद मेडिकल एसोसिएशन की प्रेसिडेंट डॉ. मोना देसाई ने स्थानीय अखबार को बताया कि, सोशल मीडिया पर आते यह विडियो और इसके उपचार का आंख मूंदकर पालन करना बेवकूफी है। कोरोना से बचने के लिए कई लोग अंधाधुंध नाक लेते होने का उबला हुआ पीना शुरू किया हो ऐसे कई केस देखने को मिले है। हद से ज्यादा और अंधाधुंध नाक लेने से नाक के म्युकोज को स्थायी चोट लगने के केस देखने को मिले है। हद से ज्यादा गर्म उबला हुआ पीने से कई लोगों के आंतों में अल्सर होना और बवासीर जैसी तकलीफ हुई होने की जानकारी मिली है। इस प्रकार के वायरल मैसेज के अनुसार उपचार पद्धति की वजह से मरीज की जान खतरे में आने की पूरी संभावना है। कई लोग कोरोना के डर से तरह-तरह के उबला हुआ और हद से ज्यादा भांप लेते है। अहमदाबाद अस्पताल एंड नर्सिंग होम एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. भरत गढवी ने बताया कि, निजी अस्पताल में भर्ती होने पर कई केस में देखने को मिला है कि, मरीज कई दिन से घर में रहकर ऑप्शन थेरापी से कोरोना खत्म करने का प्रयास करते है। जिसमें बहुत समय बरबाद होता है और आखिर में तबियत बिगड़ जाए तब परिजन इसे अस्पताल में भर्ती करते है। आयुर्वेद और होम्योपैथी उपचार में अभी तक कोरोना की कोई साबित हुई दवा नहीं मिली है। जबकि मोडर्न मेडिसीन से कई लोग ठीक होने के उदाहरण है। इसी वजह से लोगों ने साइड इफेक्ट वाली दवाई करके समय बरबाद किए बिना तुरंत ही मेडिकल ट्रीटमेंट लेना चाहिए। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के एडिशनल अधीक्षक डॉ. रजनीश पटेल बताते है कि, कोरोना के उपचार मामले में वॉट्सएप यूनिवर्सिटी में यह मैसेज वायरल हुआ है यह मेडिकल यूनिवर्सिटी में कहीं भी मान्य नहीं है।

डिंडोली में रक्तदान शिविर का आयोजन
महिलाओं में दिखा रक्तदान के प्रति उत्साह

सूरत भूमि, सूरत।

सूरत शहर के डिंडोली विस्तार के श्री ओम्कारेश्वर महादेव मंदिर में शिवा फ्रेंड्स ग्रुप द्वारा कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए जरूरतमंद लोगों की मदद स्वरूप रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन की खास बात यह रही कि इसमें महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन पंकज पाटिल एवं उनके सहयोगी ग्रुप द्वारा किया गया था। जिसमें कुल 65 यूनिट रक्तदान हुआ। इस कार्यक्रम में महानगर पालिका सूरत स्थाई समिति सभ्य सुधाकर भाई चौधरी वार्ड नंबर 27 नगरसेवक भाईदास पाटील. समाजसेवी हरकेश सिंह (बबलू). समाजसेवी धर्मात्मा त्रिपाठी. भाजपा युवा वार्ड प्रमुख 27 संदीप तोरवने के साथ कई समाजसेवी उपस्थित रहे सभी रक्तदान करता को स्थाई समिति सभ्य सुधाकर भाई चौधरी द्वारा पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

गृह मंत्री जाडेजा ने कोविड केयर सेंटर का किया दौरा

इस कोविड केयर सेंटर में वटवा, रामोल, हाथीजन और वस्त्राल के कोरोना संक्रमितों की देखभाल की जाएगी

गांधीनगर।

गुजरात के गृह मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा ने शनिवार को पूर्वी अहमदाबाद के वटवा जीआईडीसी में अहमदाबाद नगर निगम और वटवा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के सहयोग से बने कोविड केयर सेंटर का दौरा किया। शहरवासियों के लिए वटवा इलाक में सीपेट हॉस्टल में शुरू होने वाले इस कोविड केयर सेंटर में वटवा, रामोल, हाथीजन और वस्त्राल के कोरोना संक्रमितों की देखभाल की जाएगी। सीपेट हॉस्टल में शुरू होने वाले इस कोविड केयर सेंटर में फिलहाल १०८ बेड स्थापित किए गए हैं। इतना ही नहीं निकट भविष्य में क्षमता के हिसाब से बेड की संख्या बढ़ाने की व्यवस्था की गई है। इस कोविड केयर सेंटर में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग उपचार की व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं कोविड केयर सेंटर में मेडिकल, पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टाफ २४ घंटे मरीजों के सेवा के लिए तैनात रहेंगे। गुजरात के गृह मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा ने कहा कि यहां आने वाले तमाम मरीजों को फ्री में इलाज दी जाएगी। जाडेजा ने कहा कि खुद को होम आइसोलेट करने वाले लोगों को इससे काफी फायदा होगा। गृह मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा ने आगे कहा कि कोरोना महामारी के इस दौर में उद्योगपति, धर्मार्थ संगठन, समाज के संपन्न लोगों को सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए। कुछ संस्था कोरोना के खिलाफ जारी लड़ाई में सरकार के साथ मिलकर जन कल्याणकारी कार्य कर रहे हैं।

४६४ गांव सेनिटाइज करके प्रभावी तरीका लागू किया

अहमदाबाद।

अहमदाबाद जिला पंचायत ने तहसील और ग्रामीण क्षेत्र के ७,३९,७६३ घरों को पिछले एक वर्ष में सेनिटाइज किया गया है। अहमदाबाद जिला पंचायत ने गत वर्ष ३ मई को एक साथ ४६४ गांव सेनिटाइज करके कोरोना के नियंत्रण का प्रभावी तरीका लागू किया गया था। साणंद, विरमगाम, बावला, धोलका, धंधुका, बारेजा तहसील केंद्रों और ४६४ गांव सहित अहमदाबाद जिले की करीब ३४,५९,५६० आबादी को एंटिवायरस कामकाज-सेनिटाइजेशन के द्वारा सुरक्षित किया गया है। जिला विकास अधिकारी अरुण महेशबाबू के बताये अनुसार जिले के कुल १८९ मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर, २५ सुपरवाइजर और मलेरिया शाखा के १० कर्मचारी पिछले एक वर्ष से सामूहिक स्वच्छता के संचालन में शामिल है। जरूरत हुई तो यह कर्मचारी छुट्टी के दिनों में भी ड्यूटी पर तैनात रहते है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी नरेन्द्र राठोड बताते है कि, बाइक, रिक्शा, ट्रक और ड्रोन की मदद के द्वारा गांव-गांव सेनिटाइज करती टीम कोरोना वायरस के लिए चेज एंड एलिमिनेट की रणनीति अपनाते है। अहमदाबाद जिला पंचायत सोला सिविल अस्पताल में भी सेनिटाइजेशन काम को संभालते है। तहसील स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रति एक टीम को कोल्ड फोगर मशीन तथा दो नेपसेक पंप सहित के जरूरी साधनों को आवंटन कराया है। ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना वायरस का पॉजिटिव केस मिले या तुरंत ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ द्वारा संबंधित क्षेत्र में सेनिटाइजेशन का समय पर काम किया जाता है। व्हीकल माउन्टेड मशीन यानी कि वोटर केनन फोगर मशीन का उपयोग करके सार्वजनिक रास्ते सेनिटाइज किए जाते है। वोटर केनन फोगर मशीन १००० लीटर पानी की क्षमता वाली टंकी है, जिसमें १ फीसदी सोडियम हाईपोक्लोराइड का घोल इस्तेमाल किया जाता है। सेनिटाइजेशन कामकाज से वायरस का नष्ट होता है। जो कोरोना रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कामकाज है। कोरोना संक्रमण को आगे बढ़ने से रोकने के लिए विभिन्न पद्धति अपनाई गई है।

एक करोड़ गुजराती टीका का पहला डोज ले चुके है

अहमदाबाद।

गुजरात में १ मई से १८ से ज्यादा उम्र के वाले नागरिकों के लिए टीकाकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले दिन में राज्यभर में बड़ी संख्या में युवाओं ने वैक्सीन ली। अहमदाबाद के सेटेलाइट क्षेत्र में रहते ३५ वर्षीय नीरव तुरखीया और उनकी पत्नी स्नेहा भी टीका लेने वाली नागरिकों में एक है। वह बताती है कि, गत महीने कोरोना की वजह से मेरी सास की मौत हुई है।

जबकि उनकी स्थिति गंभीर थी तब कई प्रयास के बावजूद भी हम अस्पताल में बेड और ऑक्सीजन की व्यवस्था नहीं कर सके। हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारे सभी निकट के रिश्तेदार कोरोना की वैक्सीन लगाये।। टीका की वजह से वह गंभीर परिस्थिति में नहीं आये। गुजरात में कोरोना का आतंक बढ़ रहा है, जिसकी वजह से १८ वर्ष से ज्यादा उम्र वाले लोगों के लिए जबकि टीका की शुरूआत हो गई बड़ी संख्या में गुजरातियों ने इसमें हिस्सा लिया। पहले ही दिन करीब ५५,२३५ लोगों ने वैक्सीन लगाई।

हालांकि कई लोगों को स्लोट बुक करने में मुश्किल का सामना करना पड़ा, जबकि कुछ लोग बूथ पर पहुंचे तो वहां की सूची में उनके नाम नहीं थे। लेकिन राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के बताये अनुसार संपूर्ण पहले दिन टीकाकरण का आयोजन सफल रहा। एप्लीकेशन कोविन पर उपलब्ध डेटा अनुसार, एक करोड़ गुजराती कोरोना की वैक्सीन का पहला डोज ले चुके है, यह २०११ की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार गुजरात की कुल जनसंख्या के १६.७ फीसदी है। राज्य के प्रत्येक जिले में टीकाकरण के आंकड़े में विविधता देखने को मिली थी। पोरबंदर की कुल जनसंख्या ५.८५ लाख है जिसमें से १.४२ लाख लोगों ने नाम रजिस्टर्ड कराया था, जो कुल जनसंख्या के २४.४ फीसदी है। सुरेन्द्रनगर की बात करे तो वहां सिर्फ ८.२ फीसदी लोगों ने इस प्रक्रिया में हिस्सा लिया। अब म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में २६ फीसदी लोगों ने वैक्सीन ली थी। अहमदाबाद की बात करे तो यहां अभी तक ९.३८ लाख लोगों ने जबकि सूरत में ७.६४ लाख लोगों ने वैक्सीन ली है।

नामित अस्पतालों में आग लगने से ३६ मरीजों की मौत
गुजरात में कोरोना का कहर जारी

अभी कुछ दिन पहले मुंबई में इसी तरीके की आग लगने से कई कोरोना संक्रमितों की मौत दर्ज की

अहमदाबाद।

कोरोना महामारी के बीच जहां दैनिक मौत के आकंड़े में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ कोविड नामित अस्पतालों में आग लगने की वजह से मरीजों की मौत दर्ज की जा रही है। अभी कुछ दिन पहले मुंबई में इसी तरीके की आग लगने से कई कोरोना संक्रमितों की मौत दर्ज की गई थी। बिल्कुल उसी तरफ भरूच में भी कल आग लगने से १८ मरीजों की मौत हो गई थी। कोरोना महामारी के इस दौर में बीते एक साल में गुजरात के विभिन्न कोविड अस्पतालों में आग लगने से ३६ लोगों की जान चली गई है। भरूच जंबुसर बायपास रोड पर पटेल वेलफेयर अस्पताल में आग लगने से हंगामा मच गया। अस्पताल को पिछले साल ही कोविड अस्पताल के रूप में नामित किया गया था। इस अस्पताल में भरूच के काफी कोरोना संक्रमित मरीजों को मुफ्त इलाज दिया जा रहा है। कल देर रात अचानक भीषण आग लग गई। देखते- देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और लपटें आईसीयू वार्ड तक पहुंच गई। जिसकी वजह से मरीज और अस्पताल कर्मी को मिलाकर १८ लोगों की मौत दर्ज की गई है। इसके अलावा पिछले हफ्ते सूरत में स्टेशन रोड पर एक बहुमंजिला इमारत की पाँचवीं मंजिल पर स्थित आयुष अस्पताल में आग लग गई थी। एसी में विस्फोट होने के बाद पूरे अस्पताल में आग फैल गई थी। इस घटना में चार मरीजों की मौत हो गई थी।

उससे भी पहले पिछले साल अहमदाबाद के नागरंगपुरा इलाके में मौजूद श्रेय अस्पताल में आग लग गई थी। श्रेय अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से आठ मरीजों की मौत हो गई थी। अहमदाबाद से पहले नवंबर २०२० में राजकोट के मवड़ी इलाके में मौजूद उदय शिवानंद कोविद अस्पताल के आईसीयू में आग लग गई। उस समय ७ मरीजों का आईसीयू में इलाज चल रहा था। उनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने गंभीर हालत में दूसरे अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया था। इसके अलावा छोटाउदयपुर जिला अस्पताल, जामनगर में सरकारी जीजी अस्पताल, वडोदरा में सरकारी एसएसजी अस्पताल और सूरत में एक निजी अस्पताल में आग लग चुकी है।

धनवंतरी कोविड अस्पताल में कुल ५४५ मरीज भर्ती

धनवंतरी कोविद अस्पताल में प्रवेश की प्राथमिकता रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर तय की जाती है

अहमदाबाद।

गुजरात विश्वविद्यालय कन्वेंशन हॉल में गुजरात सरकार और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (छ्रक्रछ्वह्) के सहयोग से युद्ध स्तर पर धनवंतरी कोविद अस्पताल शुरू किया था। इस अस्पताल में ५४५ मरीजों का इलाज चल रहा है।

इसमें से ९२ गंभीर मरीजों को आईसीयू में रखा गया है। उल्लेखनीय है कि धनवंतरी कोविद अस्पताल में प्रवेश की प्राथमिकता रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर तय की जाती है। केवल कोरोना संक्रमित और ९२ से कम ऑक्सीजन स्तर वाले रोगियों को ही प्रवेश दिया जाता है। धनवंतरी अस्पताल में रोगी को सबसे अच्छा इलाज प्रदान करने के लिए शीर्ष अधिकारियों के परामर्श से प्रोटोकॉल निर्धारित किए गए हैं। जिसका सख्ती से पालन किया जा रहा है।

गुजरात सरकार और डीआरडीओ द्वारा निर्मित ९०० बेड के कोविड अस्पताल का उद्घाटन किया। अहमदाबाद शहर की कोरोना की वजह से खराब होती स्थिति को देखकर सिर्फ एक सप्ताह में इस अस्पताल को जीएमडीसी मैदान में खड़ा कर दिया गया है।

मिल रही जानकारी के अनुसार इसमें १३० आइसीयू बेड तथा ७५० ऑक्सीजन सुविधा वाले बेड हैं। अस्पताल का संचालन सेना के डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ करेगा। अस्पताल के उद्घाटन से लोगों में आशा की नई किरण जग गई थी। जिस दावे के साथ अस्पताल को शुरू किया गया था वह पूरा नहीं हो रहा है जिससे मरीजों के रिश्तेदार अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

कोरोना की चपेट में आने वाले कुछ मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है। मरीजों के रिश्तेदार धनवंतरी कोविड अस्पताल तो पहुंच रहे हैं लेकिन किसी को इलाज के लिए भर्ती नहीं किया जा रहा है। जिसकी वजह से अब धीरे-धीरे धनवंतरी कोविड अस्पताल की भी सूरते हाल सिविल अस्पताल जैसी होती जा रही है।

ओगणज के निकट पूर्व पति का महिला पर एसिड हमला

अहमदाबाद।

ओगणज निकट पूर्व पति ने महिला पर एसिड से हमला करने पर सोला हाईकोर्ट पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला को ओगणज गांव के पास अज्ञात जगह ले जाकर पूर्व पति एसिड फेंककर भाग गया। जिसमें महिला चेहरा और हाथ का हिस्सा गंभीर रूप से झुलस जाने से उपचार के लिए अस्पताल भर्ती कराई थी। इस मामले में महिला ने पुलिस की मदद से घर में जानकारी देने पर परिजन अस्पताल पहुंच गये। इस मामले में पुलिस ने हितेष सोलंकी नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ३३ वर्षीय महिला पिछले डेढ़ महीने से सोला क्षेत्र में पीजी में रहती थी। पहले यह महिला अपने मां-पिता के साथ राणिप में रहती थी और इस दौरान इसकी राणिप में रहते हितेष सोलंकी के साथ हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गया। इसके बाद महिला युवक को शादी करने का कहती तब वह वादा किया करता था और आखिर में इसके साथ कोर्ट मैरिज किया था। हालांकि, शादी के बाद महिला को हितेष पहले शादीशुदा होने का इसके दो बच्चे होने की जानकारी मिलने पर तलाक ले लिया। महिला पिता के घर पर रहने जाने पर हितेष वहां भी पहुंच गया और मैं तेरा बिना नहीं रह सकूंगा यह कहकर इसे वापस ले गया और दो महीने पहले मेरे घरवाले मुझे बुलाते है यह कहकर हितेष घर चला गया था जिसकी वजह से महिला की हालत बदतर बन गई और और आखिर में पिछले डेढ़ महीने पहले यह सोला क्षेत्र में स्थित एक पीजी में रहने आई थी। इस दौरान ३० अप्रैल को दोपहर में तीन बजे के करीब हितेष पीजी पर पहुंच गया और महिला को फोन करके बाहर बुलाया। हितेष ने महिला को मेरा सामान वापस दे यह कहकर विवाद किया। महिला ने यहां वादविवाद नहीं करने का कहने पर बाइक पर बिठाकर ओगणज गांव में अज्ञात जगह पर ले गया। महिला के साथ बातचीत के दौरान हितेष नाराज हो गया और बोतल निकालकर इस पर एसिड अटैक से महिला हाथ और मुंह के हिस्से में झुलस गई थी। मदद के लिए शोर मचाने पर भी कोई मदद नहीं मिलने पर हिम्मत करके रोड तरफ आई थी। इस दौरान जा रहे पुलिस के वाहन को रोककर मदद मांगने पर पुलिस ने महिला को उपचार के लिए अस्पताल भेज कर इसके परिवार को इस मामले में जानकारी दे दी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)